वर्ष-10 अंक-303 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

प्रयागराज, मंगलवार 18 फरवरी 2025

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

Download From Google Play

Adhunik Samachar

नगर संस्करण 10

आधुनिक समाचार नेटर्वक

संक्षिप्त समाचार

पारित होगा निगम का बजट, टैक्स में बढ़ोतरी नहीं; कूड़ा प्रबंधन पर ध्यान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। खास बात यह है कि बृहस्पतिवार को ही सदन में बजट पास भी किया जाएगा, क्योंकि 15 फरवरी तक बजट को पारित करना अनिवार्य है। इस दौरान बजट प्रस्तावों में कुछ संशोधन किए जाने की संभावना है। एमसीडी के आयुक्त अश्वनी कुमार बृहस्पतिवार को वर्ष

2024-25 के संशोधित और वर्ष 2025-26 के अनुमानित बजट को सदन में प्रस्तुत करेंगे। खास बात यह है कि बृहस्पतिवार को ही सदन में बजट पास भी किया जाएगा, क्योंकि 15 फरवरी तक बजट को पारित करना अनिवार्य है। इस दौरान बजट प्रस्तावों में कुछ संशोधन किए जाने की संभावना है। सदन की बैठक में बृहस्पतिवार को केवल टैक्स, फीस और शुल्क दरें ही तय की जाएगी। खर्च करने से जुड़े मदों में अभी राशि में कमी या फिर बढ़ोतरी नहीं होगी। इस बारे में 31 मार्च से पहले परिवर्तन किया जाएगा। एमसीडी का यह बजट राजधानी की सफाई व्यवस्था, कूड़ा प्रबंधन, बुनियादी सुविधाओं और विकास कार्यों को प्राथमिकता देने वाला है। इस बार बजट में किसी भी प्रकार का नया कर लगाने या मौजूदा करों में वृद्धि करने से परहेज किया है, जिससे दिल्ली के नागरिकों को राहत मिलेगी। पिछले कुछ वर्षों में एमसीडी को वित्तीय चुनौतियों का सामना करना पड़ा था, लेकिन इस बार बजट में विभिन्न विकास कार्यों के लिए समुचित राशि का प्रावधान किया गया है।आयुक्त अश्वनी कुमार की ओर से बजट प्रस्तावों में किसी भी प्रकार का नया टैक्स लगाने का प्रस्ताव लाने की संभावना नहीं है और न ही मौजूदा टैक्स दरों में कोई बढ़ोतरी की जाएगी। इसके अलावा गांवों में विकास कार्यों को गति देने के लिए विशेष योजना बनाई है।

नया आयकर बिल संसद में आज होगा पेश, कर स्लैब या रिटर्न भरने की समय सीमा में बदलाव नहीं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। लोकसभा में 13 फरवरी को पेश हो रहे नए आयकर विधेयक, 2025 को 1961 के पुराने

कानून की जगह लेने के लिए तैयार किया गया है। नए कानून का लक्ष्य पुराने कानून की जटिलताओं को समाप्त कर इसे आम करदाताओं की समझ में आने लायक बनाना और मुकदमेबाजी के बोझ को कम करना है।1961 के आयकर कानून में 66 बजटों के दौरान कई चीजें जोड़ी गईं जिससे यह लगातार जटिल होता चला गया। एक ओर जहां सरकार का दावा है कि नया कानून करों को लेकर ज्यादा स्पष्टता लाएगा वहीं आम लोगों में अब भी इसके वास्तविक असर को लेकर संदेह है। खास बात यह है कि नया विधेयक कर के स्लैब, आयकर रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा या पूंजीगत लाभ कराधान में बदलाव नहीं करता। यह कर नियोजन में स्थिरता और पूर्वानुमान सुनिश्चित करता है। वहीं देर से कर भरने और नियमों का अनुपालन न करने पर अधिक जुर्माना लगाने की व्यवस्था की गई है। कर चोरी का पता लगाने के लिए बेहतर एआई-आधारित जांच की जाएगी। नए कानून में भी वित्तीय वर्ष की गणना पूर्व की भांति पहली अप्रैल से 31 मार्च के बीच ही की जाएगी। इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। आयकर कानून-1961 की धाराओं के नंबर अब बदल जाएंगे। उदाहरण के लिए आईटीआर भरने की धारा वर्तमान कानून के तहत 139 है, मगर नए कानून में यह बदल जाएगी निवास से संबंधित कानून, जो यह निर्धारित करते हैं कि कोई व्यक्ति सामान्य निवासी, गैर-सामान्य निवासी या अनिवासी है या नहीं, अपरिवर्तित रहेंगे। नया आयकर विधेयक, 1961 के कानून की तुलना में काफी विस्तृत है। वर्तमान कानून में 298 धाराएं, 14 अनुसूचियां हैं जबकि नए विधेयक में 536 अनुभाग, 16 अनुसूचियां हैं।नए विधेयक में करदाताओं के लिए सरलीकृत व्याख्या की गई है। जटिल कानूनी शब्दजाल को हटाया गया है। सभी वेतन कटौतियों (जैसे, मानक कटौती, ग्रेच्युटी, अवकाश नकदीकरण) के लिए एक ही अनुभाग का परिचय। व्यवसायों के लिए सरल मूल्यह्रास का फॉर्मूला तय किया गया है। टीडीएस से संबंधित सभी प्रावधानों को एक खंड के तहत समेकित किया गया है। यूं तो यह अनुपालन को सरल बनाता है मगर व्यवसायों को नई संरचना के साथ संरेखित करने के लिए अपने कर रिपोर्टिंग सिस्टम को अपडेट करने की आवश्यकता हो सकती है। नए आयकर बिल के वित्त वर्ष 2026 -27 से लागू होने की उम्मीद है।

नर्सिंग कॉलेज में जूनियर छात्रों को निर्वस्त्र कर 3 महीने तक दीं यातनाएं, नुकीली चीजें घोंपी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। प्रथम वर्ष के तीन छात्रों की शिकायत पर राहुल राज, एनएस जीवा, एनपी विवेक, रिगिल जीत व

सैमुअल जॉनसन को गिरफ्तार किया गया है। शिकायत के अनुसार, रैगिंग पिछले साल नवंबर में शुरू हुई थी। छात्रों ने आरोप लगाया कि उन्हें निर्वस्त्र खड़े रहने के लिए मजबूर किया गया केरल के कोट्टायम में सरकारी नर्सिंग कॉलेज में प्रथम वर्ष के छात्रों को रैगिंग के नाम पर क्रूरतापूर्ण ढंग से शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। तृतीय वर्ष के छात्रों ने उन्हें निर्वस्त्र कर तीन महीने तक यातनाएं दीं। आरोपियों ने पीड़ित से शराब के लिए वसूली तो की ही, साथ ही उन्हें डंबल और कंपास यानी प्रकार जैसी नुकीली चीजों से घायल किया। पुलिस ने मामले में तृतीय वर्ष के पांच छात्रों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि प्रथम वर्ष के तीन छात्रों की शिकायत पर राहुल राज, एनएस जीवा, एनपी विवेक, रिगिल जीत व सैमुअल जॉनसन को गिरफ्तार किया गया है। शिकायत के अनुसार, रैगिंग पिछले साल नवंबर में शुरू हुई थी। छात्रों ने आरोप लगाया कि उन्हें निर्वस्त्र खड़े रहने के लिए मजबूर किया गया और व्यायाम के लिए इस्तेमाल होने वाले डंबल से उनके साथ क्रूर व्यवहार किया गया। इतना ही नहीं, प्रकार और इसी तरह की नुकीली वस्तुओं से पीड़ित छात्रों के निजी अंग को जख्मी किया और उनके जख्मों पर लोशन लगाया गया। शिकायत में कहा गया है कि वरिष्ठ छात्र नियमित रूप से रविवार को जूनियर छात्रों से शराब खरीदने के लिए पैसे ऐंठते थे और उनके साथ मारपीट करते थे। जब सहनशीलता की हदें पार हो गईं, तब पीड़ित छात्रों ने हिम्मत कर पुलिस के पास जाने की ठानी और शिकायत दर्ज कराई।

केंद्र ने निकाला पेंशन संकट का हल, सुप्रीम कोर्ट को दी यूपीएस की जानकारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) के बारे में जानकारी दी।

यूपीएस से अप पेंशन संबंधी चिंताओं का समाधान होने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले 12 सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया है। न्यायिक अधिकारियों और हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जजों की पेंशन से जुड़े मामले में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को अधिसूचित करने की जानकारी दी है। इस योजना से पेंशन संबंधित समस्याओं का समाधान होने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई को 12 सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया ताकि नई योजना के प्रभावों का सही तरीके से मूल्यांकन किया जा सके। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को इस मामले की सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि सरकार ने 25 जनवरी को यूपीएस को अधिसूचित किया है। इस योजना के तहत, न्यायिक अधिकारियों समेत सभी सरकारी कर्मचारियों को पेंशन संबंधी चिंताओं को हल करने की उम्मीद है। वहीं बात अब यूपीएस की करें तो, इसके तहत सेवानिवृत्ति से पहले पिछले 12 महीनों में प्राप्त औसत मूल वेतन के 50 प्रतिशत के बराबर पेंशन देने का प्रावधान है। यह योजना उन केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिए है, जो राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत आते हैं और यूपीएस का विकल्प चुनते हैं। अगर कर्मचारी को सेवा से हटाया जाता है या वह इस्तीफा देता है, तो उसे यूपीएस या आश्वासन भुगतान नहीं मिलेगा। यह योजना 23 लाख सरकारी कर्मचारियों को यूपीएस और एनपीएस में से किसी एक को चुनने का विकल्प देती है।

तेलंगाना में ओबीसी आरक्षण 42% तक बढ़ाने की तैयारी, डिप्टी सीएम बोले- जल्द पेश होगा विधेयक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

तेलंगाना। सरकार ओबीसी के लिए आरक्षण को बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने के लिए जल्द ही विधानसभा में एक विधेयक पारित करेगी। इसके लिए उपमुख्यमंत्री विक्रमार्क ने कहा

कि राज्य सरकार केंद्र पर दबाव बनाएगी ताकि यह विधेयक संसद में भी पारित हो सके। तेलंगाना सरकार ने बुधवार को घोषणा की कि वह ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) के लिए आरक्षण को 42 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए जल्द ही विधानसभा में एक विधेयक पारित करेगी। यह कदम कांग्रेस पार्टी के चुनावी वादे के तहत उठाया गया है। उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने बताया कि मार्च की शुरुआत में विधेयक विधानसभा में पेश किया जाएगा। बता दें कि कांग्रेस ने 2023 विधानसभा चुनाव से पहले 'बीसी घोषणा' की थी, जिसमें बीसी कोटा को 23 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने का वादा किया गया था। इसके तहत, बीसी समुदाय के लोगों को स्थानीय निकायों में नए राजनीतिक नेतृत्व पद मिलेंगे और सरकारी नागरिक निर्माण और रखरखाव अनुबंधों में भी 42 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री विक्रमार्क ने यह भी कहा कि राज्य सरकार केंद्र पर दबाव बनाएगी ताकि यह विधेयक संसद में भी पारित हो सके, क्योंकि इससे 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा का उल्लंघन होगा। इसके लिए राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य नेताओं से मिलकर संसद में समर्थन जुटाएगी। उन्होंने ने कहा कि जाति सर्वेक्षण के दौरान छूटे परिवारों के आंकड़े 16 से 28 फरवरी तक स्वीकार किए जाएंगे।

एचआईवी संक्रमित होने पर पदोन्नति नहीं करना एचआईवा कर्मचारी के साथ भेदभाव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। गुजरात हाईकोर्ट ने सीआरपीएफ कर्मी को पदोन्नति न मिलने को लेकर दायर याचिका

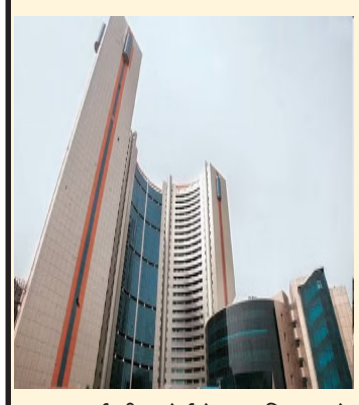

पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने एक महिला कर्मी को एचआईवी-एड्स से संक्रमित होने के कारण उच्च पद पर पदोन्नति नहीं दी। यह स्पष्ट रूप से कर्मचारी के साथ भेदभाव है। गुजरात हाईकोर्ट ने सीआरपीएफ कर्मी को पदोन्नति न मिलने को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने एक महिला कर्मी को एचआईवी-एड्स से संक्रमित होने के कारण उच्च पद पर पदोन्नति नहीं दी। यह स्पष्ट रूप से कर्मचारी के साथ भेदभाव है। कोर्ट ने सीआरपीएफ के विधि अधिकारी को तलब किया है। मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल और न्यायमूर्ति प्रणव त्रिवेदी की खंडपीठ ने बुधवार को सीआरपीएफ की महिला कर्मी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई की। महिला कर्मी ने कहा कि पात्रता संबंधी अन्य मानदंड पूरा करने के बावजूद उसे पदोन्नति नहीं दी जा रही है क्योंकि वह एचआईवी-एड्स से संक्रमित है। अदालत ने निर्देश दिया कि इस मामले को भारत के प्रभारी अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के संज्ञान में लाया जाए। पीठ ने कहा कि अगली सुनवाई पर विधि अधिकारी को उपस्थित किया जाए। मामले में अगली सुनवाई छह मार्च को होगी।

महिला को नाजायज पत्नी कहना स्त्री विरोधी', बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर 'सुप्रीम' टिप्पणी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। जस्टिस अभय एस ओका, जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस एजी

मसीह की पीठ ने कहा कि अमान्य विवाह में पत्नी हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 के तहत भरण-पोषण मांगने की हकदार हैं। साथ ही शीर्ष अदालत ने बॉम्बे हाईकोर्ट की ओर से 2004 के फैसले में 'नाजायज पत्नी' या 'वफादार रखैल' शब्द के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी महिला को 'नाजायज पत्नी या वफादार रखैल' कहना स्त्री विरोधी है और यह संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होगा। शीर्ष अदालत ने इस टिप्पणी के साथ बॉम्बे हाईकोर्ट के अपने आदेश में ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करने को गलत बताया।जस्टिस अभय एस ओका, जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने कहा कि अमान्य विवाह में पत्नी हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 के तहत भरण-पोषण मांगने की हकदार हैं। साथ ही शीर्ष अदालत ने बॉम्बे हाईकोर्ट की ओर से 2004 के फैसले में 'नाजायज पत्नी' या 'वफादार रखैल' शब्द के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई। एक संदर्भ पर विचार करते हुए पीठ ने कहा कि बॉम्बे हाईकोर्ट की फुल कोर्ट बेंच ने भाऊसाहेब बनाम लीलाबाई (2004) मामले में 'नाजायज पत्नी' शब्द गढ़ा है। विवाह अमान्य घोषित किए जाने के बाद उक्त मामले में पत्नी को नाजायज पत्नी कहना बहुत अनुचित है। इससे संबंधित महिला की गरिमा प्रभावित होती है। दुर्भाग्य से बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस शब्द का इस्तेमाल किया। चौंकाने वाली बात यह है कि हाईकोर्ट ने ऐसी पत्नी को 'वफादार रखैल' बताया है। पीठ ने कहा कि यह ध्यान देने योग्य है कि हाईकोर्ट ने अमान्य विवाह के पतियों के मामले में ऐसे विशेषणों का इस्तेमाल नहीं किया है। पीठ ने कहा, संविधान की धारा 21 के तहत हर व्यक्ति को सम्मानजनक जीवन जीने का मौलिक अधिकार है। किसी महिला के लिए इन शब्दों का इस्तेमाल कहना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उस महिला के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होगा। इन शब्दों का इस्तेमाल करके किसी महिला का वर्णन करना हमारे संविधान के मूल्यों और आदर्शों के खिलाफ है। पीठ ने कहा, कोई भी व्यक्ति ऐसी महिला का उल्लेख करते समय ऐसे विशेषणों का उपयोग नहीं कर सकता है जो अमान्य विवाह में पक्षकार है। दुर्भाग्य से, हम पाते हैं कि हाईकोर्ट की फुल बेंच के निर्णय में ऐसी आपत्तिजनक भाषा का उपयोग किया गया है। ऐसे शब्दों का उपयोग स्त्री-द्वेषपूर्ण है। सुप्रीम कोर्ट ने माना कि जिस दंपति का विवाह हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 11 के तहत अमान्य घोषित किया गया है, वह अधिनियम की धारा 25 का हवाला देकर दूसरे पति से स्थायी गुजारा भत्ता या अंतरिम भरण-पोषण मांगने का हकदार है। पीठ ने कहा कि स्थायी गुजारा भत्ता की राहत दी जा सकती है या नहीं, यह हमेशा प्रत्येक मामले के तथ्यों और पक्षों के आचरण पर निर्भर करता है। क्योंकि धारा 25 के तहत राहत प्रदान करना हमेशा विवेक पर निर्भर करता है। भले ही न्यायालय प्रथम दृष्टया इस निष्कर्ष पर पहुंचता है कि पक्षकारों के बीच विवाह शून्य है लेकिन 1955 के अधिनियम के तहत कार्यवाही के अंतिम निपटान तक न्यायालय को भरण-पोषण देने से रोका नहीं जा सकता है।

राज्यपाल डॉ. वीके सिंह ने केंद्रीय योजनाओं पर की समीक्षा बैठक, चुनौतियों पर चर्चा की

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बैठक में सबसे पहले राज्यपाल ने विकासात्मक पहलों के महत्व को रेखांकित किया और मिजोरम में केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन में प्रगति

और चुनौतियों की व्यापक समझ की आवश्यकता पर जोर दिया।मिजोरम के राज्यपाल जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त) ने राजभवन में केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) की समीक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक की। इसमें ग्रामीण विकास, कृषि और किसान कल्याण, पशुपालन और पशु चिकित्सा और मत्स्य पालन विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में मिजोरम में प्रमुख योजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा और इन विभागों द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों पर चर्चा की गई। बैठक में सबसे पहले राज्यपाल ने विकासात्मक पहलों के महत्व को रेखांकित किया और मिजोरम में केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन में प्रगति और चुनौतियों की व्यापक समझ की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह बैठक केंद्रीय सरकार से प्रभावी समर्थन सुनिश्चित करने और योजनाओं के कार्यान्वयन में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए बुलाई गई है। उन्होंने मिजोरम में स्वयं सहायता समूहों की सराहना की और उनके योगदान की सराहना की।उन्होंने जैविक खेती को बढ़ावा देने और स्थानीय किसानों को लाभ पहुंचाने के पर जोर दिया। इसके अलावा राज्यपाल ने राज्य में पशुपालन, स्वास्थ्य सेवा और मछली उत्पादन को बढ़ाने पर भी जोर दिया।

ऊंचाई वाले क्षेत्रों में दिन-रात नजर रखेगी सेना, 1000 निगरानी हेलीकॉप्टर खरीदेगी केंद्र सरकार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सूचना के लिए अनुरोध (आरएफआई) में कहा गया है कि सरकार निगरानी हेलीकॉप्टरों को

सहायक उपकरणों के साथ 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' कार्यक्रमों के तहत खरीदने की योजना बना रही है। केंद्र सरकार ने ऊंचाई वाले क्षेत्रों के लिए लगभग 1,000 निगरानी हेलीकॉप्टर खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ये हेलीकॉप्टर 5,500 मीटर की ऊंचाई तक और दिन-रात दोनों समय संचालन करने में सक्षम होंगे। यह जानकारी बुधवार को जारी किए गए सूचना के लिए अनुरोध (आरएफआई) में दी गई है। आरएफआई में कहा गया है कि सरकार निगरानी हेलीकॉप्टरों को सहायक उपकरणों के साथ 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' कार्यक्रमों के तहत खरीदने की योजना बना रही है। इसमें कहा गया है कि डीएपी-2020 के अध्याय-घ्घ् के प्रावधानों के अनुसार, परियोजना के लिए पसंदीदा वर्गीकरण विक्रेताओं द्वारा उचित औचित्य के साथ इंगित किया जा सकता है।आरएफआई दस्तावेज के अनुसार, रक्षा मंत्रालय इन हेलीकॉप्टरों के लिए भारतीय विक्रेताओं को शामिल करने की कोशिश कर रहा है। हेलीकॉप्टरों को देश के सभी प्रकार के इलाकों में, सामान्य मौसम की स्थिति में दिन-रात ऑपरेट करने के लिए डिजाइन किया जाएगा।आरएफआई में कहा गया है कि निगरानी हेलीकॉप्टर (उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्र) का डिजाइन मॉड्यूलर होना चाहिए, जिससे भविष्य में सरल संशोधनों के माध्यम से इसे अपग्रेड किया जा सके, जिससे डिजाइन या संरचनात्मक परिवर्तन न हो। इसे किसी भी प्रणाली/उप-प्रणाली के प्रदर्शन को प्रभावित किए बिना एकीकरण और स्थापना की सुविधा भी मिलनी चाहिए। इसके अलावा, भारतीय सेना 50 'भारी क्रॉलर रॉक ड्रिल' खरीदने की भी योजना बना रही है, जिसके लिए भी सरकार ने बुधवार को मसौदा आरएफआई जारी किया है। इसमें कहा गया है कि 'आरएफआई का उद्देश्य डीएपी 2020 के अध्याय घ्घ् के पैराग्राफ 2 से 4 के अनुसार लक्ष्य और उद्देश्यों को प्राप्त करना है। आरएफआई दस्तावेज के अनुसार, उत्तरी, पूर्वी और मध्य कमान में भारतीय सेना की तैनाती में सबसे कठिन और खतरनाक इलाकों के साथ दुर्गम क्षेत्र शामिल हैं। इसमें कहा गया, 'इन क्षेत्रों में कम से कम समय में टिकाऊ बुनियादी ढांचे का निर्माण एक अपरिहार्य परिचालन आवश्यक है। संचार की उपयुक्त लाइनों (एलओपसी) का त्वरित विकास इस पहलू का सबसे महत्वपूर्ण तत्व है।

हैदराबाद के हनुमान मंदिर में कैसे पहुंचा मांस का टुकड़ा सीसीटीवी जांच में हुआ बड़ा खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। हैदराबाद के तप्पाचबूतरा क्षेत्र के हनुमान मंदिर

परिसर में मांस का टुकड़ा मिलने के बाद विवाद खड़ा हो गया। आक्रोश इतना बढ़ गया कि लोग सड़क पर विरोध प्रदर्शन करने लगे। बढ़ते मामले को देखकप पुलिस ने जांच टीम का गठन किया, जिसके बाद सीसीटीवी जांच में पता चला कि मांस का टुकड़ा हैदराबाद के एक मंदिर में मांस मिलने से बुधवार को एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया। यह घटना तप्पाचबूतरा क्षेत्र के हनुमान मंदिर परिसर में हुई, जहां भगवान शिव मंदिर के अंदर मांस का टुकड़ा पाया गया। इसके बाद आसपास के पूरे क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन भी हुए। हालांकि, सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद यह बात सामने आई कि एक बिल्ली अपने साथ मांस का टुकड़ा ले गई थी, जो बाद में पता चला कि वह मटन था।पुलिस ने मामले की जांच के लिए चार टीमों का गठन किया और आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू की। जांच में यह पता चला कि मांस का टुकड़ा एक बिल्ली अपने मुंह में लेकर मंदिर में घुसी थी और वह मटन था पुलिस ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज में बिल्ली को मांस का टुकड़ा लेकर मंदिर परिसर में जाते हुए देखा जा सकता है, जिससे यह साफ हुआ कि मांस फेंकने वाला कोई व्यक्ति नहीं था।बता दें कि तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में एक मंदिर के भीतर मांस के टुकड़े मिलने से तनाव फैल गया। घटना के विरोध में भाजपा युवा मोर्चा के सदस्यों के साथ स्थानीय लोगों ने सड़कों पर उतर जमकर प्रदर्शन किया और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

100 से ज्यादा विमान, किराया छू रहा आसमान बंगलूरू का पहुंचा 39 हजार के पार; ये शहर भी पीछे नहीं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। दो दिन से प्रयागराज एयरपोर्ट से संचालित होने वाले विमानों की संख्या 100 को पार कर चुकी है। फिर भी अधिकांश शहरों की सीधी उड़ान का किराया आसमान छू रहा है। सबसे ज्यादा किराया यहां से बंगलूरू का लग रहा है। 18 फरवरी के लिए एक निजी कंपनी का विमान प्रति व्यक्ति बंगलूरू का किराया 39146 रुपये ले रहा है।महाकुंभ के मौके पर प्रयागराज एयरपोर्ट पर लगातार यात्रियों और विमानों की संख्या बढ़ती जा रही है। इस माह अब तक कई बार यात्रियों व विमानों के आवागमन के रिकॉर्ड टूट चुके हैं। दिल्ली के लिए एक दिन में औसतन 10 विमान यहां से उड़ रहे हैं, फिर भी किराया आसमान छू रहा है। महाकुंभ अवधि में यहां से किसी भी दिन दिल्ली का किराया 13 हजार रुपये से कम नहीं है। कुछ तिथियों में किराया 20 हजार से भी ज्यादा पहुंच गया है। दो दिन से प्रयागराज एयरपोर्ट से संचालित होने वाले विमानों की संख्या 100 को पार कर चुकी है। फिर भी अधिकांश शहरों की सीधी उड़ान का किराया आसमान छू रहा है। ज्यादा किराया के बावजूद आसानी से सीट नहीं मिल पा रही है। सबसे ज्यादा किराया यहां से बंगलूरू का लग रहा है। 18 फरवरी के लिए एक निजी कंपनी का विमान प्रति व्यक्ति बंगलूरू का किराया 39146 रुपये ले रहा है। महाकुंभ अवधि में बंगलूरू का किराया किसी भी दिन 22 हजार से कम नहीं है। कमोवेश यही स्थिति मुंबई की है। मुंबई के लिए 18 फरवरी को प्रयागराज से मुंबई के लिए सात सीधी उड़ान है। इन विमानों का न्यूनतम किराया सोमवार को 21974 रुपये दर्शाया जा रहा था। पुणे के लिए भी संचालित एक मात्र सीधी उड़ान का किराया 20 हजार से कम नहीं है। यही स्थिति हैदराबाद, कोलकाता, भुवनेश्वर जाने वाली फ्लाइट की भी है। इन सभी शहरों के लिए विमानन कंपनियां मुंह मांगा किराया ले रही हैं। खास बात यह है कि स्पाइस जेट, एयर इंडिया समेत आदि विमानन कंपनियों ने यहां अपने अधिकांश विमान 28 फरवरी तक ही चलाने का शेड्यूल जारी किया है। इसके बाद इन कंपनियों के विमान यहां से संचालित नहीं होंगे।जयपुर, जम्मू, गुवाहाटी, कोलकाता, भुवनेश्वर, दिल्ली, देहरादून, रायपुर, बिलासपुर, पुणे, मुंबई, बंगलूरू, चेन्नई, अहमदाबाद, हैदराबाद, चंडीगढ़, लखनऊ विमानन कंपनी इंडिगो ने प्रयागराज से पुणे के लिए सीधी फ्लाइट शुरू कर दी है। इसकी यहां से रवानगी सुबह 11:10 बजे हो रही है। पुणे पहुंचने का समय दोपहर 1:10 बजे निर्धारित किया गया है। इसी तरह पुणे से इसकी रवानगी का समय दोपहर दो बजे रखा गया है, जो शाम 4:10 बजे प्रयागराज पहुंच जाएगा। एक दो दिन में प्रयागराज से रांची के लिए भी सीधी उड़ान शुरू हो सकती है।

संगम पर भक्ति का अनंत प्रवाह, महाकुंभ में अब तक 54 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई पवित्र डुबकी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। सोमवार को संगम जाने वाले सभी रास्ते श्रद्धालुओं की भीड़ से खचाखच भर गए। अमृतमयी त्रिवेणी में पुण्य की डुबकी के लिए एक लय में रात तक भक्ति की लहरें हिचकोले खाती रहीं। मेला प्रशासन ने शाम आठ बजे तक 1.35 करोड़ श्रद्धालुओं के डुबकी लगाने का दावा किया। सोमवार को संगम जाने वाले सभी रास्ते श्रद्धालुओं की भीड़ से खचाखच भर गए। अमृतमयी त्रिवेणी में पुण्य की डुबकी के लिए एक लय में रात तक भक्ति की लहरें हिचकोले खाती रहीं। मेला प्रशासन ने शाम आठ बजे तक 1.35 करोड़ श्रद्धालुओं के डुबकी लगाने का दावा किया। अब तक के महाकुंभ में कुल 54.31 करोड़ श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं।प्रयागराज जंक्शन के सभी 10 प्लेटफार्मों पर तिल रखने की जगह नहीं बची तो घंटे-घंटे भर के लिए इस रेलवे स्टेशन पर यात्रियों का प्रवेश रोका जाने लगा। सभी रूटों को वन वे करना पड़ गया। अंदावा, नैनी और फाफामऊ के अलावा कोखराज के रूट पर तीन चरणों में बैरिकेडिंग कर भीड़ को नियंत्रित किया जाने लगा। मेला प्रशासन की ओर से घाटों पर भीड़ न लगाने की लगातार अपील की जाती रही।संगम के घाटों पर हर तरफ स्नानार्थी ही नजर आ रहे थे। सिर पर गठरी और कंधे पर झोला-बोरा लिए लोग संगम की ओर बढ़ते रहे। रास्ते भर जय गंगा मैया, हर-हर महादेव और जय श्रीराम के गगनभेदी जयघोष के बीच दिन भर डुबकी लगती रही। भीड़ के बीच संगम जाने वाले मार्गों पर शहर के लोगों ने भी श्रद्धालुओं की मदद और सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ी है। भीड़ प्रबंधन के लिए पुलिस और प्रशासन के अफसर अतिरिक्त सजगता बरत रहे हैं। आस्था - भक्ति की लहरों के बीच संगम से शहर तक कहीं तिल रखने की जगह नहीं बची। सड़कें पैक हुईं तो संगम की राह पकड़ने के लिए लोगों ने गलियों का रुख कर लिया।

28 तक फाफामऊ तक ही आएंगी मनवार समेत कई ट्रेनें, रेलवे ने जारी की समय सारिणी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। फाफामऊ तक जो ट्रेनें आएंगी, उसमें 04201 आलमनगर-प्रयागराज संगम, 04205 अयोध्या कैंट-प्रयागराज संगम, 04209 जौनपुर-प्रयागराज संगम, 14102 कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज संगम इंटरसिटी एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनें शामिल हैंप्रयाग स्टेशन से अधिक संख्या में स्पेशल ट्रेन चलाने के लिए रेलवे ने सरयू, मनवार संगम समेत कई ट्रेनें फाफामऊ रेलवे स्टेशन तक ही चलेंगी। इसकी समय सारिणी रेलवे प्रशासन द्वारा जारी कर दी गई फाफामऊ तक जो ट्रेनें आएंगी, उसमें 04201 आलमनगर-प्रयागराज संगम, 04205 अयोध्या कैंट-प्रयागराज संगम, 04209 जौनपुर-प्रयागराज संगम, 14102 कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज संगम इंटरसिटी एक्सप्रेस, 14232 बस्ती-प्रयागराज संगम मनवार संगम एक्सप्रेस, 14234 मनकापुर जंक्शन-प्रयागराज संगम सरयू एक्सप्रेस, 14308 बरेली-प्रयागराज संगम एक्सप्रेस, 54102/54101 कानपुर अनवरगंज-प्रयागराज संगम पैसेंजर, 54214/54213 जौनपुर-प्रयागराज संगम पैसेंजर, 54254/54253 लखनऊ-प्रयागराज संगम पैसेंजर, 54376/54375 जौनपुर-प्रयागराज संगम पैसेंजर, 64222/64221 अयोध्या कैंट-प्रयागराज संगम मेमू, 65117 गाजीपुर सिटी-प्रयागराज , 04252 अयोध्या धाम-प्रयागराज जंक्शन शामिल है। 04202 प्रयागराज संगम-आलमनगर, 04206 प्रयागराज संगम-अयोध्या कैंट मेला स्पेशल, 04210 प्रयागराज संगम-जौनपुर मेला स्पेशल, 14101 प्रयागराज संगम-कानपुर सेंट्रल एक्सप्रेस, 14209 प्रयागराज संगम-लखनऊ इंटरसिटी एक्सप्रेस, 14215 गंगा गोमती एक्सप्रेस, 14217 ऊंचाहार एक्सप्रेस, 14229 प्रयागराज संगम-हरिद्वार एक्सप्रेस, 14231 मारवाड़ संगम एक्सप्रेस, 14233 सरयू एक्सप्रेस, 14241 नौचंदी एक्सप्रेस, 14307 प्रयागराज संगम-बरेली एक्सप्रेस, 65118 प्रयागराज संगम-गाजीपुर सिटी मेमू का संचालन प्रयाग से होगा। मिर्जापुर-प्रयागराज मार्ग पर रविवार रात 1:30 बजे तक जाम लगा रहा, इसके बाद स्थिति सामान्य हुई। सुबह आठ बजे से फिर कठौली से डिगिया तक वाहन रेंगते रहे। 20 किमी से अधिक जाम रहा। प्रयागराज-लखनऊ-रायबरेली मार्ग पर छह किमी से अधिक जाम लगा रहा। सिकरी से लगा जाम मलाक हरहर, फाफामऊ तक रुक-रुक गाड़ियां चलती रहीं।चित्रकूट-प्रयागराज मार्ग पर थोड़ी राहत है। शंकरगढ़ से निजी समेत अन्य बसों को शहर में प्रवेश नहीं दिय गया। यहां बने पार्किंग पर ही वाहनों को रोका गया।प्रयागराज-वाराणसी मार्ग पर जाम की स्थिति सामान्य रही। वाराणसी की ओर से आने वाले वाहनों को सरायइनायत और फिर अंदावा पार्किंग में रोक दिया गया। जौनपुर की ओर से प्रयागराज आने वाले वाहनों को रहीमापुर, सहसों के पास रोक दिया गया। कुछ ही वाहनों को मेले तक प्रवेश दिया गया।प्रतापगढ़ से प्रयागराज आने वाले वाहन मलाक हरकर तक आ सके। इसके बाद यहां से फाफामऊ तक गाड़ियां रेंगती रहीं। कानपुर-प्रयागराज मार्ग की स्थिति सामान्य रही। कौशाम्बी कोखराज से गाड़ियां शहर में प्रवेश किया। कई वाहन तो नेहरू पार्क तक आए।

पुण्य कमाने की होड़ में पूर्वांचल और बिहार के बाहुबली भी पीछे नहीं, संगम की रेती पर लगा जमघट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। सियासत के बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह, एमएलसी विनीत सिंह, पूर्व एमएलसी बृजेश सिंह, रामू द्विवेदी, विधायक सुशील सिंह, अभय सिंह समेत बिहार के कई बाहुबलियों ने भी संगम में डुबकी लगाई। माफिया अतीक के खात्मे के बाद पहली बार महाकुंभ अतीक गैंग के गुंडों से मुक्त हुआ है। सीएम योगी के प्रयासों का हर कोई मुरीद है। वह महाकुंभ में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करना चाहता है। महाकुंभ में हर दिन कोई न कोई बड़ी हस्ती संगम में डुबकी लगाकर खुद को धन्य मान रहा है। मगर इस बार का महाकुंभ कई मायनों में विशिष्ट रहा है। पुण्य कमाने की होड़ में इस बार पूर्वांचल और बिहार के बाहुबली भी पीछे नहीं हैं। सियासत के बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह, एमएलसी विनीत सिंह, पूर्व एमएलसी ब्रजेश सिंह, रामू द्विवेदी, विधायक सुशील सिंह और अभय सिंह समेत बिहार के कई बाहुबलियों ने भी संगम में डुबकी लगाई है। साथ ही वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। गंगा,यमुना और सरस्वती का त्रिवेणी संगम धर्म के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों के लिए भी चर्चा में है। राजनीति, उद्योग और फिल्म जगत के दिग्गजों का संगम स्थल पर जमावड़ा हुआ है।सभी ने महाकुंभ का हिस्सा बनकर खुद को धन्य माना। दबंग और बाहुबली कहे जाने वाले लोग भी संगम पर पुण्य कमाने चले आ रहे हैं।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
कौशलं बलम्
NAINI ALLAHABAD
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

प्रदेश आस/पास

भारत

जाम में फंसे 700 श्रद्धालुओं ने 16 दिन में किए 10 लाख दान, बाबा को दूर से प्रणाम कर लौटे भक्त

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

काशी । काशी में भीड़ का आलम यह है कि बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने आ रहे भक्त मंदिर को दूर से

ही प्रणाम कर लौट जा रहे हैं। ऑनलाइन दान देकर खुद को संतुष्ट कर रहे हैं। दक्षिण भारत से आए भक्तों ने भी बाबा का ऑनलाइन दर्शन किया।महाकुंभ के पलट प्रवाह में भीषण जाम के चलते विश्वनाथ मंदिर न पहुंच पाने वाले श्रद्धालु अब ऑनलाइन राशि भेजकर बाबा से आशीर्वाद मांग रहे हैं। बीते 16 दिन में 700 श्रद्धालुओं से मंदिर को करीब 10 लाख रुपये ऑनलाइन डोनेशन में मिले हैं। दान करने वाले श्रद्धालुओं ने जाम का भी हवाला दिया है। आलोक कुमार ने बाबा विश्वनाथ को 251 रुपये ऑनलाइन चढ़ाया। कमेंट में लिखा कि ट्रैफिक जाम की वजह से मंदिर तक नहीं पहुंच सका। सुलेखा पांडेय ने 5000 रुपये देकर कामना की कि अब जब भी काशी आने का मौका मिले, बिना इंतजार किए ही बाबा के दर्शन मिल जाएं। परिमल नाम के श्रद्धालु ने पांच रुपये चढ़ाकर भगवान से प्रार्थना की कि उसे भगवान सबसे अमीर आदमी बना दें। एक छात्र संदीप कुमार ने 21 रुपये देकर परीक्षा में सफल होने का आशीर्वाद मांगा। ये सारे दान काशी विश्वनाथ ट्रस्ट की आधिकारिक वेबसाइटसबसे ज्यादा 50 हजार रुपये राजेश वैद्युला ने मंदिर की बेहतरी के नाम पर दिए। इसके बाद 25 हजार रुपये की राशि दक्षिण के एक भक्त माचिराजु आदित्य प्रगदा ने दिया। कमेंट में लिखा कि उसे पुत्ररत्न की प्राप्ति हुई है। उसका नाम शिव अभिरक्षित प्रगदा है। कई श्रद्धालुओं ने परिजनों को कैंसर से बचाने की कामना से दान किया। वहीं, एक दक्षिण भारतीय श्रद्धालु ने 58 रुपये का ट्रांजेक्शन करते हुए लिखा कि भगवान उसके दुश्मनों को मिटा दे। कई श्रद्धालुओं ने परिजनों की पुण्यतिथि के लिए तो कई ने गीत ही लिख दिया। दो भक्तों ने मंदिर के मेटेनेंस और निर्माण की कामना कर पैसे भेजे हैं। एक श्रद्धालु रोशन झा ने 500 रुपये देकर लिखा कि उसकी मां का कैंसर जल्द ठीक हो जाए। दक्षिण भारत के भक्त ने जल्द शादी होने की कामना कर 1100 रुपये दान किया। मंदिर प्रशासन 5000 से एक लाख रुपये तक देने वाले भक्तों को एप्रेसिएशन सर्टिफिकेट, रुद्राक्ष की माला, अंगवस्त्रम् और एक साल में एक रुद्राभिषेक या सुगम दर्शन की सुविधा देता है। एक लाख से 11 लाख तक दान करने वालों को 5 शास्त्री से रुद्राभिषेक या सुगम दर्शन और 11 लाख से ऊपर डोनेट करने वालों को 10 साल तक पांच शास्त्री से रुद्राभिषेक कराने और सुगम दर्शन की सुविधा दी जाएगी। इसके लिए एक क्यूआर कोड से लैस कार्ड दिया जाएगा।

महाकुंभ में स्नान कर लौट रहे थे नेपाल, डिवाइडर से टकराई कार; सात लोग घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

काशी । हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर रानी की सराय थाने की पुलिस भी पहुंच गई। आसपास के लोगों की सहायता से घायलों को अस्पताल भेज दिया गया। यहां तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। आजमगढ़ के रानी की सराय थाना क्षेत्र के आजमगढ़-वाराणसी राजमार्ग पर महाकुंभ से वापस आ रहे नेपाल देश के श्रद्धालुओं की एक कार सोमवार की सुबह डिवाइडर में टकरा गई। हादसे में पति-पत्नी सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए।जानकारी के अनुसार, यह सभी नेपाल देश के रूपम देही जिले के देवदार नगर पालिका के निवासी थे। बीते 15 फरवरी को नेपाल से पांच कार में

सवार होकर 35 लोग एक साथ प्रयागराज में स्नान करने गए थे। स्नान करके सोमवार को लौट रहे थे। लौटते समय जब नींद लगने लगी तो इन लोगों ने एक जगह रुक कर चाय पी और इसके बाद आगे के सफर पर निकले।अभी कुछ दूर ही पहुंचे थे कि यह हादसा हो गया। मृतकों में दीपा (35), दीपा के पति गणेश (45) और गंगा (40) शामिल हैं। वहीं, घायलों में ड्राइवर ऋतिक दुबे (21), कोपिला देवकला देवी (35), अविशंकर (25), शुभम पोखराल (22) व अन्य शामिल हैं।सभी घायलों को गोरखपुर चिकित्सालय रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, सफर के दौरान चालक को झपकी आ गई थी। इससे दो कारें आपस में लड़कर डिवाइडर से टकरा गईं थीं।

अवैध अस्पतालों पर दिखाई सख्ती- टीम गठित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। 10 फरवरी को रेखा पत्नी सुनील ग्राम व पोस्ट चपरापूर्वी तहसील धनघटा ने डीएम को शिकायती पत्र देकर कहा था कि सुनील कुमार को न्यू आर्या हॉस्पिटल उमरिया बाजार में 10 मई 2024 को भर्ती कराया गया था। चिकित्सक के जरिए हार्निया एवं हाइड्रोसील के ऑपरेशन के दौरान 60 हजार रुपये का बिल बनाया।संतकबीरनगर। जिले में तीन अस्पतालों की लापरवाही की जांच एसडीएम और सीएमओ की टीम कर रही है, एक अस्पताल पर आंख के ऑपरेशन की लापरवाही है तो अन्य अस्पतालों में मरीज की मौत का मामला है। परिजनों समेत अन्य संस्थाओं ने इन अस्पतालों पर कार्रवाई की मांग को लेकर डीएम को पत्रक सौंपा था, जिसके बाद से इन पर जांच टीम का गठन किया गया है।गोरखपुर जनपद के खरैला गीडा निवासी प्रमोद सिंह ने 10 फरवरी को डीएम को दिए शिकायती पत्र में कहा था कि 13 दिसंबर को शहर के अग्रवाल नेत्रालय में आंख का ऑपरेशन कराया। चिकित्सक ने गलत ढंग से एवं लापरवाही पूर्ण तरीके से ऑपरेशन कर लेंस लगा दिया।जिससे उनकी आंख की रोशनी चली गई। जबकि उनके साथ दस लोग आंख का ऑपरेशन वही पर करवाए थे और सबकी आंख की रोशनी चली गई। चिकित्सक को दुबारा दिखाने पर दूसरे निजी अस्पताल में दिखाने की सलाह दी। पर्चा डॉक्टर ने अपने पास रख लिया और मांगने पर मारपीट कर अस्पताल से बाहर कर दिया।शहर के एक निजी अस्पताल पर महिला के इलाज में लापरवाही का आरोप लगा है।

विधानसभा अध्यक्ष की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। विधानसभा अध्यक्ष की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक आयोजित की गई। इसमें विधानसभा के बजट सत्र को लेकर चर्चा हुई। उत्तर प्रदेश में सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक हुई। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया। नेता सदन ने विपक्षी दलों से सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने का अनुरोध किया। बैठक विधान भवन समिति (कक्ष संख्या -8) में आयोजित हुई।विधानसभा का बजट सत्र 18 फरवरी मंगलवार से प्रारंभ होगा। इससे पहले हुई सर्वदलीय बैठक में मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों के नेताओं से कहा कि जनहित के मुद्दों को सदन में रखें।

कड़ी मशक्कत के बाद उतारा गया, हुआ रफूचक्कर; सुरक्षा पर सवाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

काशी । मिर्जापुर स्थित मां विंध्यवासिनी मंदिर की पताका पर

यह युवक कब चढ़ा किसी ने नहीं देखा। शीर्ष की सफाई करते वक्त जब लोगों ने देखा तो हड़कंप मच गया। लोग उसे नीचे उतारने की कवायद करने लगे।मां विंध्यवासिनी मंदिर की पताका पर शनिवार की रात एक युवक चढ़ गया। वह 60 फीट ऊंची पताका (ध्वज) के शीर्ष पर पहुंचकर उसकी सफाई करने लगा। यह देख आसपास मौजूद लोगों की सांसें अटक गईं। तीर्थ पुरोहितों के काफी समझाने-बुझाने के बाद वह नीचे उतरा और भाग गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वह मानसिक रूप से बीमार लग रहा था।रविवार को एक वीडियो तेजी के वायरल होने लगा, जिसमें एक युवक मां विंध्यवासिनी मंदिर में लगी पताका पर चढ़ा है और कपड़े से उसकी सफाई करता दिख रहा है। बताया जा रहा है कि आधी रात के बाद युवक पताका पर चढ़ गया था। यह देखकर तीर्थ पुरोहित सन्न रह गए। उन्होंने काफी देर तक युवक को समझाया-बुझाया, जब वह नीचे उतरा और भाग गया। चौंकाने वाली बात यह रही कि मंदिर परिसर में पुलिसकर्मियों की ड्यूटी होने के बावजूद यह घटना कैसे हुई। इससे मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।पताका के ऊपरी भाग में सोना लगा है। ऐसे में पताका पर किसी का चढ़ना और फिर वहां से भाग जाना सुरक्षा पर सवाल खड़ा करता है। यह हाल तब है जब परिसर ही नहीं पूरे इलाके में हाई रेजूल्यूशन सीसीटीवी कैमरे लगे हैं और बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी भी तैनात किए गए हैं।

यूपी का दूसरा सबसे गर्म शहर रहा बनारस 31 डिग्री पहुंचा अधिकतम तापमान; प्रयागराज में इतना रहा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

काशी । वाराणसी में बीते रविवार को अधिकतम तापमान 31.0 डिग्री

सेल्सियस रहा। इस कारण सुबह और रात में भी गर्मी का असर दिखा। घरों में पंखे चलाकर रहने की नौबत रही।पिछले दो दिनों से पछुआ हवाओं में नमी की वजह से सुबह और रात में मौसम सिहरन जैसा लगने लगा था, लेकिन रविवार को हवा की रफ्तार थमने की वजह से मौसम बदल गया। इस वजह से लोगों ने गर्मी महसूस की। रविवार को मौसम बदलने की वजह से अधिकतम तापमान 31.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। जो कि प्रदेश का दूसरा सबसे गर्म रहा। पहले नंबर पर प्रयागराज रहा, जहां का तापमान 31.8 रहा। मौसम विभाग की माने तो आने वाले दिनों में तापमान अभी और बढ़ेगा। फरवरी महीने में आम तौर पर गुलाबी ठंड रहती है लेकिन इस बार फरवरी माह के शुरूआत से ही मौसम साफ हो गया है और तापमान में भी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इस बीच रविवार को तापमान अधिक होने की वजह से गर्मी सुबह और रात में अधिक रही। लोगों को पंखा भी चलाना पड़ा। बीते रविवार को वाराणसी का अधिकतम तापमान 31.0 डिग्री सेल्सियस रहा जो कि औसत से 4.1 अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 12.0 डिग्री सेल्सियस रहा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक रविवार को प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में पछुआ हवाओं की गति लगभग थम गई है। इसी के चलते तापमान लगातार बढ़ रहा है। आने वाले तीन-चार दिनों तक इसी तरह का मौसम रहने की संभावना है।

घर से शाम को शादी में गया था चंचल, सुबह मौत की आई सूचना- गोली मार कर दी हत्या

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। बेलघाट के सोपाइ गांव से कुछ युवक गोरखपुर सिंघड़िया मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने आया था। इसी बीच गांव के ही कुछ लोगों से विवाद हो गया।गांव वापसी के दौरान गांव के पास ही

आए थे। बताया जा रहा है कि विवाद के दौरान गांव के ही युवक ने गोली मारकर हत्या कर दी।गोरखपुर के बेलघाट थानाक्षेत्र के सोपाई गांव के युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि रविवार शाम को मृतक अभिषेक चंद उर्फ चंचल गांव से गोरखपुर सिंघड़ियां मांगलिक मनबढ़ों ने गोली मार दी। घायल अवस्था में गांववालों ने चंचल को अस्पताल में भर्ती करवाया। बताया जा रहा है कि विवाद में तीन गोली चंचल को मारी गई थी। तीनों गोली सिर में लगी थी।परिवार ने तहरीर के आधार पर गांव के ही मानवेंद्र सिंह, ज्ञानेंद्र सिंह अतुल सिंह के खिलाफ नामजद केस दर्ज कराया है।

गोरखपुर से प्रयागराज जाने के लिए उमड़ी भीड़- चौरीचौरा एक्सप्रेस निरस्त- 4 ट्रेनों का रास्ता बदला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। महाकुंभ में जाने वाली यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेल प्रशासन ने परिचालनिक कठिनाइयों का हवाला देकर रविवार को चौरीचौरा एक्सप्रेस (अप व डाउन)

और आनंद विहार टर्मिनल-सीतामढ़ी एक्सप्रेस को निरस्त कर दिया। इसके अलावा चार ट्रेनों को रास्ता बदलकर चलाया जाएगा। महाकुंभ में स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ रविवार शाम को बस स्टेशनों पर उमड़ पड़ी। अवकाश होने के कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु रविवार को प्रयागराज जाने के लिए बस स्टैंड पहुंचे। इस दौरान कचहरी और रेलवे बस स्टेशन पर भीड़ इतनी ज्यादा रही कि यात्री बसों में खड़े होकर सफर करने को मजबूर हो गए।रविवार सुबह से रात तक लगातार यात्रियों की भीड़ बस स्टैंड पर बनी रही। हर बस में ज्यादा यात्री मौजूद थे, जिससे कई यात्रियों को बैठने की जगह तक नहीं मिली। इसी तरह शाम छह बजे के बाद भी बस स्टेशनों पर भारी भीड़ देखने को मिली। हालांकि, दोपहर में कुछ समय के लिए भीड़ थोड़ी कम रही।लेकिन शाम होते ही यात्रियों का हुजूम फिर से उमड़ पड़ा। यात्रियों की संख्या को देखते हुए परिवहन विभाग ने हर आधे घंटे में प्रयागराज के लिए बसें उपलब्ध कराई हैं। एसी बसों की कमी जरूर महसूस हुई, लेकिन साधारण बसें पर्याप्त संख्या में उपलब्ध रहीं।क्षेत्रीय प्रबंधक लव कुमार सिंह ने बताया कि श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बस स्टैंडों पर परिवहन विभाग के कर्मचारी तैनात किए गए हैं। यात्रियों से अपील की गई है कि वे धैर्य बनाए रखें और सुरक्षित यात्रा के लिए बस स्टैंड पर समय से पहुंचे।वहीं, महाकुंभ में जाने वाली यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेल प्रशासन ने परिचालनिक कठिनाइयों का हवाला देकर रविवार को चौरीचौरा एक्सप्रेस (अप व डाउन) और आनंद विहार टर्मिनल-सीतामढ़ी एक्सप्रेस को निरस्त कर दिया। इसके अलावा चार ट्रेनों को रास्ता बदलकर चलाया जाएगा।

आधुनिक गेस्ट हाउस

- वाटर प्रूफ शेड
- पार्किंग की सुविधा
- मन्दिर की सुविधा
- सी.सी.टीवी.
- छोटे-बड़े कार्यक्रमों के अलग-अलग रेट
- 45000 sq. feet. एरिया
- हरे-भरे वातावरण
- AC कमरा (VIP)

CALL: 9519313894,9415608783, 9415608710

आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस, यूपीएसआईडीसी, रेमण्ड रोड, औधोगिक थाने के पीछे भारत पेट्रोलियम के पहले, औधोगिक क्षेत्र, नैनी, प्रयागराज

सोनभद्र, मिर्जापुर

फ्री हेल्थ कैंप का सैकड़ों लोगों ने उठाया लाभ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। जनपद के करमा ब्लाक अन्तर्गत ग्राम सभा लोहरा में स्थित अखण्ड भारत चैरिटेबल ट्रस्ट के केन्द्रीय कार्यालय पर ठन्यू बर्ग पैथोलॉजी एवं डायग्नोसिस सेंटरठ (रावर्ट्सगंज, सोनभद्र) के द्वारा हेल्थ कैंप लगाया गया। इस दौरान मुख्यतः शुगर, थायराइड, सीबीसी, यूरीन, हिमोग्लोबिन सहित तमाम चीजों का फ्री चेक-अप किया गया तो वहीं बड़े बड़े जांच को पच्चास प्रतिशत डिस्काउंट पर किया गया तथा रोग के अनुसार फ्री दवाओं का वितरण किया गया। इस दौरान ठन्यू बर्ग पैथोलॉजी एवं डायग्नोसिस सेंटरठ (रावर्ट्सगंज, सोनभद्र) से डाक्टर अनामिका व राज मौर्य रहे। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सक के रूप में मेडिकल आफिसर डाक्टर संदीप कुमार जी रहे। इस दौरान सहयोगी संस्था के रूप में अखण्ड भारत चैरिटेबल ट्रस्ट रहा। इस कैंप में जाकर सैकड़ों लोगों ने लाभ उठाया। इस दौरान निष्पक्ष चैरिटेबल ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल कुशवाहा व अखण्ड भारत चैरिटेबल ट्रस्ट के राष्ट्रीय सचिव राजकमल सिंह, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह, राष्ट्रीय संगठन मंत्री बृजेश कुमार सिंह, प्रदेश अध्यक्ष सिद्धांत वर्धन सिंह, मण्डल प्रभारी दिनेश कुमार छांव एकेडमी की शिक्षिका सुप्रिया मौर्या सहित बड़ी संख्या लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

डाला पुलिस ने मानवीय संवेदना का दिया परिचय महाकुंभ से भटक कर आई युवती को परिजनो से मिलाया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

डाला सोनभद्र ।महाकुंभ में परिजनों से भटक कर आई युवती को पुलिस ने परिजनों से मिलाकर मानवीय संवेदना का परिचय दिया है । पुलिस को सूचना मिली की अकेली युवती डाला वैष्णो मंदिर के समीप भटक रही है सूचना पर पहुंचे डाला चौकी इंचार्ज आशीष कुमार पटेल व कांस्टेबल मनोज कुमार व कांस्टेबल हरि द्वारा युवती से पूछताछ की तो उसने अपना नाम करिश्मा पुत्री सुदामा निवासी थाना बाघमारा जनपद धनबाद, झारखंड बताया उसने बताया कि कुंभ स्नान करके अपने परिजनों से भटक गई जिसके बाद वह भटकते भटकते डाला वैष्णो मंदिर पहुंच गई इसके बाद पुलिस ने उसे स्थानीय पुलिस चौकी लाकर भोजन कंबल आदि की व्यवस्था कराते हुए परिजनो से संपर्क कर उसे उसके परिजनों को सुपुर्द कर दिया। परिजनों द्वारा गुमशुदा युवती को सकुशल पाकर पुलिस की भूरी-भूरी प्रशंसा की गई।

जिले में रजिस्टर्ड हैं 25 पैथोलॉजी लैब, चल रहे हैं 200 से ज्यादा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। पूरे जिले में सिर्फ 25 लैब पैथोलॉजी जांच के लिए अधिकृत हैं, जबकि 200 से अधिक केंद्रों का संचालन हो रहा है। यहां बाकायदे मरीजों की जांच कर उन्हें रिपोर्ट भी दी जा रही है। अति पिछड़े जिले में सरकारी अस्पतालों में खून सहित अन्य जांचों के बेहतर इंतजाम नहीं हैं। इसका लाभ निजी पैथोलॉजी केंद्रों को खूब मिल रहा है। गली- मोहल्लों में बिना पंजीकरण के पैथोलॉजी की दुकानें अवैध ढंग से संचालित हैं।इस पर मधुमेह, रक्त एलएफटी, केएफटी, डेंगू, मलेरिया की भी जांच होने का जिक्र है। ज्यादातर लैब में डिग्रीधारक और प्रशिक्षित तकनीशियन नहीं हैं और न ही एमडी पैथोलाजिस्ट हैं। ऐसे में जांच रिपोर्ट को लेकर लोगों के मन में संदेह रहता है कि उनकी रिपोर्ट गलत है या सही। इसलिए वह दो-तीन लैब में जांच कराते हैं, जहां रिपोर्ट में भिन्नता आने पर वह मानसिक रूप से परेशान हो जाते हैं।

दंपती समेत छह पर एससी-एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। विवादित मकान पर कब्जे के विवाद को लेकर अनुसूचित जाति की महिला ने दंपती समेत छह लोगों पर एससी-एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज कराया है। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने यह कार्रवाई की है। इससे पहले गत माह पुलिस ने आरोपी पक्ष की ओर से शिकायतकर्ता महिला पर भी केस दर्ज किया था। मामला रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के धर्मशाला रोड का है।धर्मशाला रोड निवासी लीलावती ने कोर्ट में प्रस्तुत प्रार्थना पत्र में बताया कि वह अनुसूचित जाति की महिला है। ओबरा निवासी शमीम अहमद ने उसे धर्मशाला स्थित मकान दान में दिया है। गत 24 दिसंबर की शाम इस मकान में प्रवेश के पूर्व वह अपनी बेटी इंद्रावती व सगे संबंधी अजय भारती आदि के साथ मकान के बगल में स्थित हनुमान मंदिर पर पूजा कर रहे थे। उसी समय दूसरे पक्ष के राजकुमार आदि आए और जाति पूछकर मारपीट करने लगे। जाति सूचक गाली दी गई। पुलिस में शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो कोर्ट की शरण ली।कोर्ट के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने रुक्मिणी, राजकुमार, उसकी पत्नी सोनिया, बेटी, अभिषेक और राजेश पर मारपीट और एससी-एसटी का केस दर्ज किया है। बता दें कि इस मामले में रुक्मिणी केशरी की ओर से भी पूर्व में केस दर्ज कराया गया था। उन्होंने जनवरी को एसपी को प्रार्थना पत्र देकर बताया था कि अप्रैल 2010 में उसने मकान बैनामा लिया था, जिसका नाम भी खतौनी में दर्ज है। पति की मौत के बाद साजिश के तहत सूरजमणि ने घोरावल के बड़ागांव निवासी अभिषेक सिंह और आर्यनगर निवासी आशुतोष के पक्ष में 13 सितबंर 2024 को बैनामा लिख दिया। शिकायत पर दबाव बनाने के लिए अभिषेक और आशुतोष ने ओबरा के शमीम अहमद को उसी जायदाद का 28 नवंबर को धोखे से बैनामा तैयार करा दिया। शमीम ने उत्पीड़न के मकसद से कोर्ट के स्टे आदेश के बावजूद एससी वर्ग की लीलावती के पक्ष में दानपत्र तैयार कर दिया, जिससे वह उनका उत्पीड़न कर सके। रुक्मिणी देवी की इस तहरीर पर पुलिस ने सूरज मणि, अभिषेक, आशुतोष, शमीम अहमद और जमीन दान लेने वाली लीलावती पर संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया था।

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी का वेतन रोका, मांगा स्पष्टीकरण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी बीएन सिंह ने सोमवार को सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से विकास कार्यों की समीक्षा की।इस दौरान डीएम ने विभिन्न विभागों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की और निर्धारित लक्ष्यों को समयसीमा के भीतर शत-प्रतिशत पूरा करने के निर्देश दिए।बैठक में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी की अनुपस्थिति पर नाराजगी जताई और उनके खिलाफ स्पष्टीकरण जारी करने के साथ एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए।उन्होंने साफ कहा कि लक्ष्यों को पूरा न करने वाले कार्यालयाध्यक्षों के खिलाफ कार्रवाई होगी। डीएम ने कहा कि सभी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाई जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखते हुए अधूरे कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। वन विभाग से आपत्ति वाले मामलों को तत्काल शासन को भेजने की बात कही, ताकि समस्या का समाधान जल्द किया जा सके।

नदारद शिक्षक, शिक्षामित्र और अनुदेशक के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। बीईओ म्योरपुर विश्वजीत कुमार ने सोमवार को कई परिषदीय विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अनुपस्थित मिले शिक्षक, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति करते हुए रिपोर्ट बीएसए को प्रेषित की।बीईओ सबसे पहले सुबह करीब 9.20 बजे प्राथमिक विद्यालय नवाटोला नधिरा पहुंचे। वहां सहायक अध्यापिका पारुल श्रीवास्तव, शिक्षा मित्र कुसुम कुमारी और मुकेश अनुपस्थित मिले। कंपोजिट विद्यालय बैरागो में प्रभारी प्रधानाध्यापक राजेंद्र प्रसाद, सहायक अध्यापक अशरफ, महाबली, शिक्षामित्र केश कुमार त्रिपाठी एवं शांतिकुंवर अनुपस्थित पाए गए।प्राथमिक विद्यालय जरहां प्रथम में सुनीता तिवारी आकस्मिक अवकाश पर थीं। सहायक अध्यापिका कोकिला निरीक्षण के समय उपस्थित हुईं, उन्हें चेतावनी दी गई। उच्च प्राथमिक विद्यालय जरहा में सहायक अध्यापिका आरती बाल्य देखभाल अवकाश पर मिली। किरण सिंह उपस्थित थीं, जबकि अनुदेशक शमशेर सिंह अनुपस्थित रहे। लीलाडेवा-2 में सहायक अध्यापक राम कृष्ण बैस उपस्थित रहे एवं शिक्षण कार्य संतोष जनक पाया गया। इसके बाद उन्होंने प्राथमिक विद्यालय लखार, कंपोजिट विद्यालय महुली और उच्च प्राथमिक विद्यालय रजमिलान का निरीक्षण किया। रजमिलान में अनुदेशक हीरा शंकर अनुपस्थित थे। प्राथमिक विद्यालय सरईडांड में सहायक अध्यापक मनजीत सिंह गिल अनुपस्थित पाए गए। कंपोजिट विद्यालय लीलाडेवा में अनुदेशक अशोक सिंह अनुपस्थित मिले। बीईओ ने बताया कि निरीक्षण में अनुपस्थित शिक्षक, शिक्षा मित्र और अनुदेशक के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति करते हुए रिपोर्ट बीएसए को भेजी गई है।

बेटी को न्याय दिलाने के लिए ओबीसी मोर्चा के पदाधिकारियों ने दिया धरना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। वाराणसी के भेलूपुर थाना क्षेत्र में गत एक फरवरी को सोनभद्र निवासी किशोरी की मौत के मामले में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा के लोगों ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में धरना दिया।किशोरी की दुष्कर्म के बाद हत्या और पुलिस पर केस दर्ज न करने का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की। राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा। इस दौरान लक्ष्मीनारायण ने कहा कि वाराणसी की घटना और पुलिस का रवैया शर्मसार करने वाली है। आरोप लगाया कि किशोरी की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई और पुलिस ने परिजनों के पहुंचने से पहले ही शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जबरन शव का अंतिम संस्कार भी करा दिया गया। घटना को आत्महत्या साबित करने पर पुलिस तुली है।इसी का नतीजा है कि काफी दबाव में हत्या का केस दर्ज करने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही। जांच अधिकारी आरोपियों से मिलकर साक्ष्य मिटाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने शासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर कार्रवाई की मांग की। इस मौके पर प्रदीप कुमार मौर्य, मुलायम सिंह, अनीता पटेल, संगीता, सूर्यभान मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत आठ मार्च को

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के निस्तारण के लिए सोमवार को एडीआर भवन में जनपद न्यायाधीश रवींद्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें आठ मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन का निर्णय लिया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से विशिष्ट विषय आपराधिक शमनीय वाद, धारा-138 एनआई एक्ट, आर्विट्रेशन, बैंक वसूली वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकायें, पारिवारिक यादों, श्रम वादों, भूमि अधिग्रहण वादों, विद्युत एवं जल बिल एवं सेवानिवृतिक परिलाभों से संबंधी विवाद सुलझाए जाएंगे। इस मौके पर गोपाल जी यादव थानाध्यक्ष/विवेचक एन्टी थेफ्ट (इलेक्ट्रिक) थाना राबर्ट्सगंज, एक्सईएन विद्युत रॉबर्ट्सगंज एके सिंह, अधिवक्ता रविन्द्र कुमार पांडेय आदि उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय पर्यवेक्षक भी रखेंगे परीक्षा पर नजर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। यूपी बोर्ड की लिखित परीक्षा शुरू होने से लेकर समाप्ति तक राज्य स्तर से नियुक्त पर्यवेक्षक भी केंद्रों की निगरानी करेंगे। निरीक्षण के दौरान किसी तरह की अनियमितता मिलती है तो पर्यवेक्षक परीक्षा की दोनों पालियों की रिपोर्ट बोर्ड को भेजेंगे। 24 फरवरी से शुरू हो रही यूपी बोर्ड परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए विभाग तैयारियों में जुटा है। जिले में परीक्षा के लिए इस बार 77 केंद्र बनाए गए हैं। हाईस्कूल और इंटर के 46750 परीक्षार्थी इसमें शामिल होंगे। हाईस्कूल में 26242 और इंटर में 20508 छात्र-छात्राओं के लिए बने परीक्षा केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं को दुरूस्त किया जा रहा है। कॉलेजों को परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। डीआईओएस कार्यालय की ओर से केंद्रों पर उत्तर पुस्तिकाएं और प्रवेश पत्र भेजने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए विभाग जुटा है।जिले को चार जोन में बांटते हुए सभी तहसीलों के एसडीएम को जोनल मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है, जबकि चार जोन को 12 सेक्टर में बांटा गया है। संबंधित इलाके के दस बीईओ और दो बीडीओ को सेक्टर मजिस्ट्रेट बनाया गया है। जिला स्तर पर सात सचल दल बनाए गए हैं। इन टीमों का नेतृत्व डीआईओएस, बीएसए, डायट प्रवक्ता, डीसी, वित्त लेखाधिकारी, दो राजकीय स्कूलों के प्राचार्य करेंगे।इसके साथ ही मंडलीय पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। उन्हें परीक्षा पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी से निपटने के लिए शासन स्तर से राज्य स्तरीय पर्यवेक्षक को भी तैनात किया गया है। इसकी जिम्मेदारी डायट प्राचार्य मिर्जापुर भूपेंद्र कुमार सिंह को दी गई है। हाईस्कूल व इंटर के परीक्षा की मॉनिटरिंग और निगरानी करेंगे। किसी केंद्र पर लापरवाही और अनियमितता मिलती है तो तत्काल प्रभाव से कार्रवाई के साथ ही दोनों पालियों की परीक्षाओं की रिपोर्ट बोर्ड को भेजनी होगी।

दिन में तेज धूप और शाम को चल रहीं सर्द हवाएं, बिगड़ रही सेहत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मिर्जापुर। मौसम का मिजाज लोगों की सेहत बिगाड़ रहा है। दिन में तेज धूप होने और शाम को सर्द हवाएं चलने से लोग बीमार हो रहे हैं।मंडलीय अस्पताल की ओपीडी में रोज करीब एक हजार और इमरजेंसी में सौ से ज्यादा मरीज पहुंच रहे हैं। इनमें सर्दी-जुकाम, बुखार और सांस के मरीजों की संख्या ज्यादा है। तेज धूप के कारण लोग दिन में बिना स्वेटर और जैकेट के घर के निकल जाते हैं। वहीं, शाम तक सर्द हवाएं चलने लगती हैं, जिससे तापमान गिरने लगता है। इसका सीधा असर लोगों की सेहत पर पड़ रहा है। लोग सर्दी-जुकाम और बुखार की चपेट में आ रहे हैं। बच्चों और बुजुर्गों पर ज्यादा असर पड़ रहा है।चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुनील सिंह ने बताया कि इमरजेंसी में रोज 100 से ज्यादा मरीज आ रहे है। इनमें सांस, ब्रेन हैमरेज, सर्दी-जुकाम, बुखार और उल्टी के मरीजों की संख्या ज्यादा होती है।बताया कि एक सप्ताह से तापमान के उतार-चढ़ाव के कारण मरीजों की संख्या बढ़ी है। उन्होंने कहा कि अभी घर से बाहर निकलते समय गर्म कपड़े जरूर पहनें। ऐसे मौसम में बच्चों और बुजुर्गों का खास ख्याल रखना चाहिए। भू भौतिकी विभाग बीएचयू वाराणसी के तकनीकी अधिकारी शिव मंगल सिंह ने बताया कि अब तापमान में वृद्धि होगी।हवा की गति भी सामान्य से ज्यादा रहने की संभावना है। तेज हवा से फसल गिरने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए जरूरी होने पर रात में हल्की सिंचाई कर खेतों में नमी बनाए रखें।

984 युवकों ने लगाई दौड़, 895 सफल हुए

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश पुलिस की आरक्षी भर्ती परीक्षा के अभ्यर्थियों का शारीरिक दक्षता परीक्षण 7वें दिन सोमवार को भी हुआ। 39वीं वाहिनी पीएसी के मैदान में 12 राउंड की दौड़ में 984 युवक शामिल हुए। इसमें 895 अभ्यर्थी ही तय समय पर दौड़ पूरी कर सफल हुए। आरक्षी भर्ती परीक्षा के अभ्यर्थियों शारीरिक दक्षता परीक्षण में 1050 अभ्यर्थियों को शामिल होना था लेकिन 984 ही उपस्थित हुए। सुबह पांच बजे अभ्यर्थियों की बायोमीट्रिक जांच की गई। इसके बाद उनके पैरो में इलेक्ट्रानिक चिप और नंबर वाले पोस्टर लगाए गए।

खेत की सिंचाई करने गए किसान की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

जिगना। थाना क्षेत्र गोगांव गांव में खेत की सिंचाई करते समय किसान की मौत हो गई। वह सुबह खेत में औंधे मुंह पड़ा मिला। घटना की जानकारी पाकर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है।क्षेत्र के कोलेपुर गांव निवासी बबलू बिंद (41) मूक बधिर था। उसका पड़ोस के गांव गोगांव में खेत है, जिसमें गेहूं की फसल बोई गई है। बबलू रविवार की शाम को गेहूं की सिंचाई करने गया था।पंप चालू कराकर वह खेत में चला गया था। पंप मालिक रामचंद्र यादव सोमवार को भोर में पहुंचा तो बबलू औंधे मुंह पड़ा था। रामचंद्र ने बबलू के परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजन बबलू को निजी चिकित्सक के यहां ले गए, जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

पांच लाख भक्तों ने किए मां विंध्यवासिनी के दर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

विंध्याचल। महाकुंभ के पलट प्रवाह की वजह से विंध्यधाम में भारी संख्या में श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला निरंतर जारी है। सोमवार को भी गंगा घाटों, गलियों और सड़कों से मां विंध्यवासिनी के दरबार तक आस्थावानों की भीड़ जुटी रही। श्री विंध्य पंडा समाज पंकज द्विवेदी ने बताया कि पांच लाख से ज्यादा भक्तों ने मां का दर्शन-पूजन किया। भोर से ही विंध्यधाम की गलियां भक्तों से पट गई थीं। ब्रह्म मुहूर्त में माता की मंगला आरती पूजन बाद मंदिर के पट भक्तों के लिए खोल दिए गए थे। पुष्पों व रत्नजड़ित आभूषणों से माता के दिव्य श्रृंगार के दर्शन पाकर भक्त भाव विह्वल हो उठे। मंदिर की रंग बिरंगे फूलों और झालरों से हुई सजावट लोगों को मोह रही थी।देश के कोने-कोने से आए भक्तों ने स्कंदमाता के स्वरूप के दर्शन किए। मंदिर जाने वाली प्रमुख गलियों में भोर से ही श्रद्धालुओं की कतारें लगी रहीं। वहीं, बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अष्टभुजा पहाड़ पर विराजमान महाकाली और मां अष्टभुजी दरबार में भी हाजिरी लगाई।

कनिका ने गोल्ड, ज्योति और सुनैना ने सिल्वर मेडल जीता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

अदलहाट। क्षेत्र के घरवासपुर गांव की बालिका खिलाड़ियों ने सोमवार को मिर्जापुर की टीम से प्रतिभाग करते हुए सोने और चांदी का तमगा अपने नाम किया। वाराणसी के बड़ागांव स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय जोन स्तरीय ग्रामीण खेलकूद में मिर्जापुर की खिलाड़ियां दो गोल्ड, दो सिल्वर मेडल जीते।युवा कल्याण एवं प्रादेशिक दल विभाग वाराणसी के तत्वाधान में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में क्षेत्र के घरवासपुर गांव की कनिका कुमारी ने पहले दिन जूनियर बालिका वर्ग के गोला प्रक्षेप में 09.95 मीटर फेंककर गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाते हुए मिर्जापुर जनपद का नाम रौशन किया है। दूसरे दिन जिले से प्रतिभाग कर रही 20 वर्षीय जूनिया वाराणसी बालिका खिलाडी को हराकर चैंपियन बनी।खेल प्रशिक्षक प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि सीनियर वर्ग में कनिका की चचेरी बहन ज्योति कुमारी ने गोला प्रक्षेप में 9:42 मीटर फेंककर सिल्वर मेडल तो जूनियर वर्ग में सुनैना ने लंबी कूद में सिल्वर मेडल जीतकर जिले का नाम रोशन किया।

स्पोर्ट्स

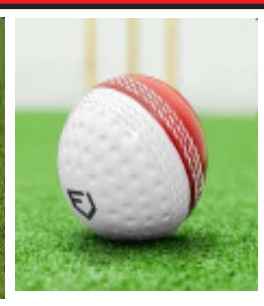
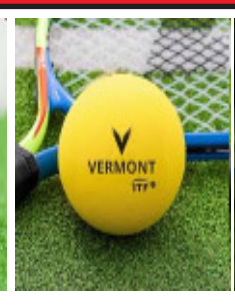

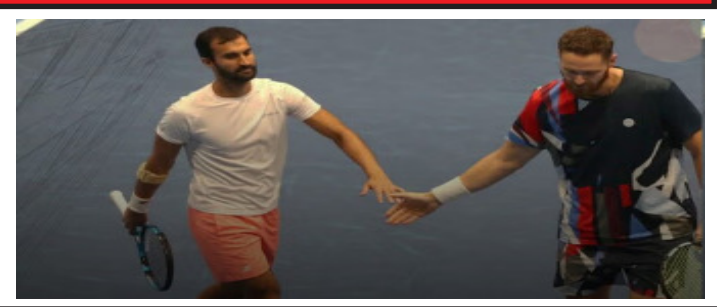

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत ने दिखाया दम, ऑलराउंड प्रदर्शन से इंग्लैंड पर दर्ज की दूसरी बड़ी जीत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने शुभमन गिल की शतकीय और विराट कोहली की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 50 ओवर में 10 विकेट पर 356 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड की टीम 34.2 ओवर में 10 विकेट खोकर सिर्फ 214 रन बना सकी। भारत ने इंग्लैंड को तीसरे वनडे में 142 रन से हराकर 3-0 से सीरीज अपने नाम कर ली। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने शुभमन गिल की शतकीय और विराट कोहली की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 50 ओवर में 10 विकेट पर 356 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड की टीम 34.2 ओवर में 10 विकेट खोकर सिर्फ 214 रन बना सकी। भारत की यह इंग्लैंड पर दूसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले टीम इंडिया ने 2008 में इंग्लैंड को राजकोट में 158 रन से हराया था। रोहित शर्मा की टीम ने इंग्लैंड का सूपड़ा साफ कर चैंपियंस ट्रॉफी से पहले अपना दम दिखा दिया है। 19 फरवरी से टूर्नामेंट का आगाज होगा जिसमें भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी

से करेगी।लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी हुई। फिल सॉल्ट और बेन डकेट के बीच पहले विकेट के लिए 60 रनों की साझेदारी हुई जिसे अर्शदीप सिंह ने तोड़ा। उन्होंने डकेट को सातवें ओवर में अपना शिकार बनाया। वह 22 गेंदों में 34 रनों की पारी खेलकर पवेलियन लौटे। इसके बाद तेज गेंदबाज ने नौवें ओवर में सॉल्ट को आउट किया। वह 23 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद मोर्चा टॉम बैंटन और जो रूट ने संभाला। दोनों के बीच 46 रनों की साझेदारी हुई। हालांकि, यह साझेदारी ज्यादा बड़ी नहीं हो सकी और कुलदीप यादव ने बैंटन को अपना शिकार बनाकर इसे तोड़ दिया। दाएं हाथ के बल्लेबाज इस मैच में 38 रन बनाकर आउट हुए। इस मुकाबले में इंग्लैंड के लिए रूट 24, ब्रूक 19, बटलर छह, लिविंगस्टोन नौ, आदिल रशीद शून्य, वुड नौ, एटकिंसन 38 और साकिब ने दो रनङ बनाए। भारत के लिए अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, अक्षर पटेल और हार्दिक पांड्या ने दो-दो विकेट चटकाए। इसके अलावा वाशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव ने एक-एक विकेट चटकाया।भारत ने अहमदाबाद में खेले गए इस मुकाबले में शुभमन गिल के शतक और विराट कोहली तथा श्रेयस अय्यर के अर्धशतकों की मदद से वनडे में दूसरा सर्वाधिक स्कोर बनाया। इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा चार विकेट स्पिनर आदिल राशिद ने लिए। भारत की ओर से गिल ने 102 गेंदों पर 14 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 112 रन बनाए, जबकि श्रेयस ने 78 रन और कोहली ने 52 रनों की पारी खेली। पांचवें नंबर पर उतरे केएल राहुल 40 रन बनाकर आउट हुए। पिछले मैच में शतक लगाने वाले कप्तान रोहित शर्मा इस मैच में सस्ते में आउट हुए, लेकिन गिल और कोहली ने पहले भारत को संभाला, फिर शुभमन ने श्रेयस के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की। शुभमन और श्रेयस जब बल्लेबाजी कर रहे थे तो लग रहा था कि टीम 400 रन के स्कोर तक पहुंचने में सफल रहेगी, लेकिन इन दोनों बल्लेबाजों के आउट होने के बाद इंग्लैंड कुछ हद तक वापसी करने में सफल रहा। पांचवें नंबर पर उतरे राहुल ने भी इस मैच में दम दिखाया, लेकिन वह अर्धशतक लगाने से चूक गए। निचले क्रम के बल्लेबाज उपयोगी योगदान नहीं दे सके, पर भारतीय टीम 350 का आंकड़ा पार करने में सफल रही। इंग्लैंड के लिए राशिद के अलावा मार्क वुड ने दो विकेट लिए, जबकि साकिब महमूद, गस एटकिंसन और जो रूट को एक-एक विकेट मिला।

ऋषभ पंत या केएल राहुल में कौन होगा विकेटकीपिंग के लिए पहली पसंद कोच गौतम गंभीर ने दिया जवाब

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैच की वनडे सीरीज के लिए जिन खिलाड़ियों का चयन किया गया था उनमें केवल पंत ही ऐसे खिलाड़ी थे जिन्हें खेलने का मौका नहीं मिला।

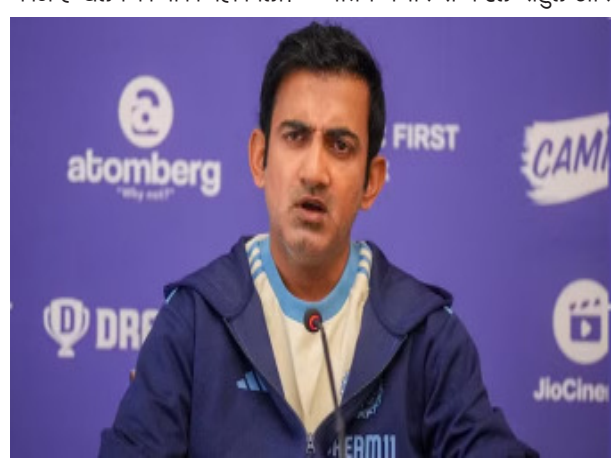

राहुल को पहले दो मैच में छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतारा गया जिसमें वह सहज नजर नहीं आ रहे थे। तीसरे मैच में वह अपने पसंदीदा पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे और उन्होंने 29 गेंद पर 40 रन का उपयोगी योगदान दिया भारतीय टीम ने इंग्लैंड को तीन मैचों की वनडे सीरीज में 3-0 से हराकर चैंपियंस ट्रॉफी के लिए हुंकार भर दी। इस सीरीज के जरिए भारतीय टीम की प्लेइंग 11 भी कुछ हद तक स्पष्ट हो चुकी है। इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए तीनों मुकाबलों में बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल को मौका मिला, जबकि ऋषभ पंत को बाहर बैठना पड़ा। ऐसे में माना जा रहा है कि आगामी टूर्नामेंट के लिए केएल राहुल ही कप्तान और कोच की पहली पसंद होंगे। गुरुवार को आखिरी मुकाबला समाप्त होने के बाद जब मुख्य कोच गौतम गंभीर से केएल राहुल और ऋषभ पंत में से चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पसंदीदा विकेटकीपर को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने स्पष्ट किया कि राहुल टीम की पहली पसंद के विकेटकीपर होंगे और आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ पंत को एक विकल्प के रूप में अंतिम एकादश में शामिल करने पर तुरंत विचार नहीं किया जाएगा।इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैच की वनडे सीरीज के लिए जिन खिलाड़ियों का चयन किया गया था उनमें केवल पंत ही ऐसे खिलाड़ी थे जिन्हें खेलने का मौका नहीं मिला। राहुल को पहले दो मैच में छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतारा गया जिसमें वह सहज नजर नहीं आ रहे थे। तीसरे मैच में वह अपने पसंदीदा पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे और उन्होंने 29 गेंद पर 40 रन का उपयोगी योगदान दिया। भारत ने यह मैच 142 रन से जीता। गंभीर ने मैच के बाद कहा, राहुल अभी हमारा नंबर एक विकेटकीपर है और अभी मैं इतना ही कह सकता हूं। ऋषभ पंत को मौका मिलेगा लेकिन अभी राहुल अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और हम दो विकेटकीपर बल्लेबाज के साथ नहीं खेल सकते। पांचवें नंबर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले राहुल की जगह पहले दो मैच में अक्षर पटेल को उतारने के अपने फैसले को सही ठहराते हुए गंभीर ने कहा कि किसी भी व्यक्ति के बजाय टीम के हित महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने कहा, हम औसत और आंकड़ों पर गौर नहीं करते। हम यह देखते हैं कि कौन खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर सकता है। गंभीर ने इसके साथ ही सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को चैंपियंस ट्रॉफी की टीम से बाहर करने के फैसले को भी सही बताया जिनकी जगह स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने ली है। उन्होंने कहा, इसका एकमात्र कारण यह है कि हम विकेट हासिल करने वाले गेंदबाज के रूप में एक विकल्प चाहते थे और हम सभी जानते हैं कि वरुण चक्रवर्ती वह विकल्प हो सकते हैं। जायसवाल के सामने अभी लंबा भविष्य है और हम केवल 15 खिलाड़ियों का ही चयन कर सकते हैं।

भाला फेंक में सचिन, ऊंची कूद में पूजा और 5000 मीटर में बेरवाल को स्वर्ण पदक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। यादव ने 2015 में बनाए राजिंदर सिंह के 82.23 मीटर के राष्ट्रीय खेलों के पिछले रिकॉर्ड में सुधार किया। यादव का 84.39 मीटर अब चोपड़ा (89.94 मीटर), जेना (87.54 मीटर), शिवपाल सिंह (86.23 मीटर) और देविंदर सिंह कांग (84.57 मीटर) के बाद

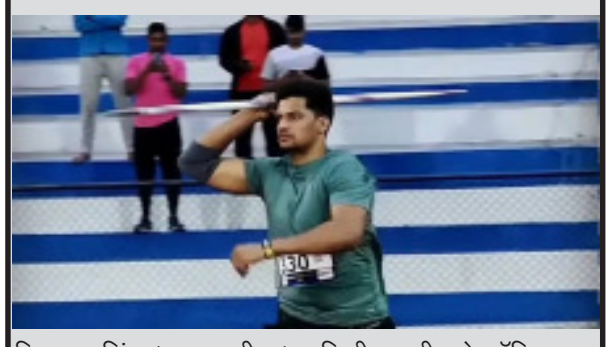

शिवपाल सिंह (86.23 मीटर) और देविंदर सिंह कांग (84.57 मीटर) के बाद किसी भारतीय के करियर का पांचवां सर्वश्रेष्ठ थ्रो है। उत्तर प्रदेश के भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव, हरियाणा की 18 साल की ऊंची कूद खिलाड़ी पूजा सिंह और हिमाचल प्रदेश के लंबी दूरी के धावक सावन बेरवाल ने बुधवार को एथलेटिक्स प्रतियोगिता के अंतिम दिन राष्ट्रीय खेलों के नए रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीते। नीरज चोपड़ा और किशोर जेना जैसे स्टार खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में 25 साल के यादव ने अपने पांचवें और अंतिम प्रयास में भाले को 84.39 मीटर की दूरी तक फेंककर स्वर्ण पदक जीता।यादव ने 2015 में बनाए राजिंदर सिंह के 82.23 मीटर के राष्ट्रीय खेलों के पिछले रिकॉर्ड में सुधार किया। यादव का 84.39 मीटर अब चोपड़ा (89.94 मीटर), जेना (87.54 मीटर), शिवपाल सिंह (86.23 मीटर) और देविंदर सिंह कांग (84.57 मीटर) के बाद किसी भारतीय के कॅरिअर का पांचवां सर्वश्रेष्ठ थ्रो है। भाला फेंक का रजत और कांस्य भी उत्तर प्रदेश के नाम रहा। रोहित यादव ने 80.47 मीटर के साथ दूसरा जबकि विकास शर्मा ने 79.33 मीटर से तीसरा स्थान हासिल किया। हरियाणा के फतेहाबाद जिले के एक राजमिस्त्री की बेटी पूजा ने 1.84 मीटर के प्रयास से 2023 सत्र में जीते महिलाओं की ऊंची कूद के स्वर्ण पदक को बरकरार रखा। उन्होंने 2022 में बंगाल की स्वप्ना बर्मन के 1.83 मीटर के राष्ट्रीय खेलों के पिछले रिकॉर्ड में सुधार किया। पूजा का निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1.85 मीटर है जो राष्ट्रीय अंडर-20 रिकॉर्ड भी है।

बांह में हरी पट्टी बांधकर खेल रहे भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ी, बीसीसीआई की यह पहल है कारण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने 'अंग दान करें, जीवन बचाएं' पहल शुरू की है जिसका समर्थन भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ी कर रहे हैं। इस पहल की अगुआई हालांकि, आईसीसी के चेयरमैन जय शाह कर रहे हैं। बीसीसीआई ने कहा, दोनों टीम बीसीसीआई की पहल 'अंग दान करें, जीवन बचाएं' का समर्थन करने के लिए बांह पर हरे रंग की पट्टी पहनकर कर रहे हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में तीन मैचों की वनडे सीरीज का तीसरा मुकाबला खेला जा रहा है। 19 फरवरी से होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत का यह अंतिम मैच है। इस मुकाबले में दोनों टीमों के खिलाड़ी बांग में हरी पट्टी बांधकर खेल रहे हैं। इसका कारण भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की अंग दान करने की पहल है। बीसीसीआई ने 'अंग दान करें, जीवन बचाएं' पहल शुरू की है जिसका समर्थन भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ी कर रहे हैं। इस पहल की अगुआई हालांकि, आईसीसी के चेयरमैन जय शाह कर रहे हैं। इस पहल की घोषणा आईसीसी के चेयरमैन और बीसीसीआई के पूर्व सचिव शाह ने सोमवार को की थी। शाह ने एक्स पर लिखा था, भारत और इंग्लैंड के बीच 12 फरवरी को अहमदाबाद में होने वाले तीसरे वनडे के दौरान हमें एक जागरूकता पहल, अंग दान करें, जीवन बचाएं शुरू करने पर गर्व है। खेल में प्रेरित करने, एकजुट करने और मैदान के बाहर भी स्थायी प्रभाव पैदा करने की शक्ति है। इस पहल के माध्यम से हम सभी से सबसे बड़ा उपहार देने की दिशा में एक कदम उठाने का आग्रह करते हैं, जीवन का उपहार। एक प्रतिज्ञा, एक निर्णय, कई लोगों की जान बचा सकता है। चलिए एक साथ आएं और बदलाव लाएं! इस पहल का समर्थन कई भारतीय खिलाड़ियों ने किया जिनमें विराट कोहली और उपकप्तान शुभमन गिल भी शामिल हैं। कोहली ने बीसीसीआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में कहा, सबसे बड़ा शतक बनाएं। आपके अंग दूसरों को आपके जीवनकाल के बाद भी जीने में मदद कर सकते हैं। एक अंग दाता के रूप में पंजीकरण करें और हर जीवन को महत्वपूर्ण बनाएं। जीवन के कप्तान बनें। जिस तरह एक कप्तान टीम को जीत की ओर ले जाता है, उसी तरह आप अपने अंगों को दान करने का संकल्प लेकर किसी को जीवन दे सकते हैं।

इंग्लैंड पर जीत के बाद रोहित शर्मा ने दी टीम को बधाई, कहा- सभी को अपने तरीके से खेलने की आजादी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। रोहित शर्मा ने कहा कि खिलाड़ियों को अपने तरीके से खेलने की आजादी है और प्रबंधन कभी-कभार मिलने वाली असफलताओं को लेकर ज्यादा चिंतित नहीं है।भारत ने इंग्लैंड पर तीन मैचों की वनडे सीरीज में 3-0 से जीत के साथ चैंपियंस ट्रॉफी के लिए हुंकार भर दी हैं। टीम इंडिया ने बुधवार को खेले गए मुकाबले में मेहमानों को 142 रन से हराकर सीरीज अपने नाम कर ली। यह टीम इंडिया की इंग्लैंड पर इस प्रारूप में दूसरी सबसे बड़ी जीत है। मुकाबला समाप्त होने के बाद हिटमैन ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी और कहा कि सभी को टीम में सभी को अपने तरीके से खेलने की इजाजत है।रोहित शर्मा ने कहा कि खिलाड़ियों को अपने तरीके से खेलने की आजादी है और प्रबंधन कभी-कभार मिलने वाली असफलताओं को लेकर ज्यादा चिंतित नहीं है। कप्तान ने कहा- टीम में अपने तरीके से खेलने की थोड़ी आजादी है। विश्व कप (2023) इसका एक आदर्श उदाहरण है। हम ऐसा करना जारी रखना चाहते हैं। कभी-कभी ऐसा होगा कि सब कुछ ठीक नहीं रहेगा लेकिन कोई बात नहीं।रोहित टीम के सामूहिक प्रदर्शन और सभी के संतोषजनक प्रदर्शन से बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा, जिस तरह से सीरीज आगे बढ़ी उससे मैं बहुत खुश हूं। हमें पता था कि हमारे सामने चुनौतियां होंगी। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने कहा कि भारत 19 फरवरी से शुरू होने वाली चैंपियन्स ट्रॉफी को ध्यान में रखते हुए अपने खेल में और सुधार करना चाहेगा। रोहित ने कहा, बेशक हम कुछ चीजों पर ध्यान दे रहे हैं और मैं यहां खड़े होकर उन्हें समझाने नहीं जा रहा हूं। टीम में निरंतरता बनाए रखना भी हमारा काम है और इसे लेकर संवाद स्पष्ट है। जाहिर है कि एक चैंपियन टीम हर मैच के साथ बेहतर होना चाहती है और वहां से आगे बढ़ना चाहती हैअहमदाबाद में भारत के लिए शानदार शतक जड़ने वाले शुभमन गिल ने भी खुशी जताई। उन्होंने 112 रनों की पारी खेलने के बाद कहा- मैं अच्छा महसूस कर रहा था। मुझे लगता है कि यह बेहतर पारियों में से एक थी। शुरुआत में पिच थोड़ी मुश्किल थी इसलिए यह संतोषजनक है। तेज गेंदबाजों के लिए कुछ मदद थी।वहीं, श्रेयस अय्यर ने बताया कि यह सीरीज जीतने से टीम को आगामी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए लय मिलेगी। उन्होंने कहा, ड्रेसिंग रूम में जोश है, बहुत अधिक ऊर्जा है, हर कोई शानदार फॉर्म में है, चैंपियंस ट्रॉफी के लिए लय में हैं। आप तीनों मैच में देख सकते हैं कि कैसे प्रत्येक व्यक्ति ने टीम के लिए जिम्मेदारी उठाई। सही समय पर अहम रन और विकेट लेना महत्वपूर्ण था। हमने इस पर बहुत काम किया है।

असफलताओं को लेकर ज्यादा चिंतित नहीं है।भारत ने इंग्लैंड पर तीन मैचों की वनडे सीरीज में 3-0 से जीत के साथ चैंपियंस ट्रॉफी के लिए हुंकार भर दी हैं। टीम इंडिया ने बुधवार को खेले गए मुकाबले में मेहमानों को 142 रन से हराकर सीरीज अपने नाम कर ली। यह टीम इंडिया की इंग्लैंड पर इस प्रारूप में दूसरी सबसे बड़ी जीत है। मुकाबला समाप्त होने के बाद हिटमैन ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी और कहा कि सभी को टीम में सभी को अपने तरीके से खेलने

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं	आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे	किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।	आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।
आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।	नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे है तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।	आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते है। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।	आज आप पतने के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।	आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।	मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

आईसीसी टूर्नामेंट के लिए वरुण दूसरी बार अंतिम समय में हुए शामिल, बदलाव का जोखिम आएगा काम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत ने बुमराह की जगह तेज गेंदबाज हर्षित को चुना, जबकि बल्लेबाज यशस्वी की जगह

वरुण को मौका दिया। हर्षित और वरुण अंतिम समय में चैंपियंस ट्रॉफी की टीम में जगह बनाने में सफल हुए। यह दूसरी बार है जब वरुण को अंतिम समय में आईसीसी के किसी बड़े टूर्नामेंट के लिए चुना गया है। भारतीय टीम ने 19 फरवरी से शुरू हो रही चैंपियंस ट्रॉफी के लिए मंगलवार रात टीम में बदलाव किए थे। चयनकर्ताओं ने इस आईसीसी टूर्नामेंट के लिए पहले चुनी गई 15 सदस्यीय प्रारंभिक टीम में बदलाव किया था। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोट के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर हो गए, जबकि सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को टीम में बरकरार नहीं रखा गया। भारत ने बुमराह और यशस्वी की जगह हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती को टीम में जगह दी थी। भारत ने बुमराह की जगह तेज गेंदबाज हर्षित को चुना, जबकि बल्लेबाज यशस्वी की जगह वरुण को मौका दिया। हर्षित और वरुण अंतिम समय में चैंपियंस ट्रॉफी की टीम में जगह बनाने में सफल हुए। यह दूसरी बार है जब वरुण को अंतिम समय में आईसीसी के किसी बड़े टूर्नामेंट के लिए चुना गया है। इससे पहले वरुण को 2021 टी20 विश्व कप के लिए भी टीम में शामिल किया गया था, लेकिन वह टूर्नामेंट में पूरी तरह विफल रहे थे और एक भी विकेट नहीं ले पाए थे। मुख्य कोच गौतम गंभीर का फलसफा रहा है कि जितना अधिक जोखिम , उतना ही अच्छा फल लेकिन चोट के कारण करिश्माई तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने के बाद क्या यह रणनीति भारत के लिए कारगर साबित होगी? वरुण इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में शानदार फॉर्म में थे जिस कारण उन्हें वनडे सीरीज से ठीक पहले टीम में जगह दी गई थी। वरुण के पास एक बार फिर खुद को साबित करने का मौका रहेगा। भारत की अंतिम 15 को चुनते समय काफी जोखिम लिया गया है। दुबई जाने वाली टीम में पांच स्पिनर रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती होंगे। बुमराह की जगह हर्षित ने ली है, जबकि अधिक अनुभवी मोहम्मद सिराज को युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और ऑलराउंडर शिवम दुबे के साथ रिजर्व में रखा गया है जो टीम के साथ यात्रा नहीं करेंगे। भारत के मैच दुबई में होने हैं जहां आम तौर पर वनडे क्रिकेट में तेज गेंदबाजों को अधिक कामयाबी मिली है। दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पर 2009 के बाद से 58 वनडे खेले जा चुके हैं जिसमें तेज गेंदबाजों को पांच से कम की इकोनॉमी दर से 466 विकेट मिले हैं। स्पिनरों को 334 विकेट मिले हैं और उनकी किफायत दर 4.2 रही है। पांच स्पिनरों को लेकर जाने की रणनीति भी समझ से परे हैं, हालांकि चक्रवर्ती को उनके शानदार फॉर्म के कारण चुना गया। वह इसी मैदान पर हालांकि टी20 विश्व कप 2021 में नाकाम रहे थे। चैंपियंस ट्रॉफी में लीग चरण में भारत को बांग्लादेश, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड से खेलना है और इनमें से कोई वरुण को पहले नहीं खेला है।

सम्पादकीय

भरोसा बढ़ाने वाले फैसलों की प्रतीक्षा, बजट से जनता को कई उम्मीदें

मोदी सरकार इच्छाशक्ति तो दिखा रही है लेकिन यह कहना कठिन है कि वह विभिन्न क्षेत्रों में सुधारों को समय रहते आगे बढ़ा सकेगी। अच्छा हो कि मोदी सरकार अगले माह जो बजट पेश करने जा रही है उसके जरिये न केवल यह दिखाए कि बहुमत से दूर रहने के बाद भी वह एक सक्षम सरकार है और अपने एजेंडे को लागू करने के लिए अडिग है। पिछले लोकसभा चुनाव में जब नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को अपने बलबूते बहुमत नहीं मिला तो इसके कयास लगाए जाने लगे कि गठबंधन सरकार उस वेग और लचीलेपन के साथ कार्य नहीं कर पाएगी, जैसा पिछले दो कार्यकालों में दिखा था। गठबंधन सरकार की अपनी मजबूरियां होती हैं। तीसरी पारी में मोदी सरकार को अपना एजेंडा इसे ध्यान में रखकर बढ़ाना है कि वह नीतीश कुमार की जदयू और चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी के समर्थन पर निर्भर है। मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल के लगभग सात माह पूरे कर चुकी है। इस दौरान ऐसा लगा कि वह कांग्रेस और अन?य विपक्षी दलों द्वारा तय किए जा रहे नैरेटिव और उनके विरोध के कारण उस गति से आगे नहीं बढ़ पा रही है, जिसकी अपेक्षा की थी। यह साफ दिख रहा है कि उसे वक्फ अधिनियम, एक देश-एक चुनाव पर विपक्ष के दबाव का सामना करना पड़ रहा है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि मोदी सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल का अपना जो पहला बजट पेश किया, उसमें ऐसे क्रांतिकारी कदम नहीं दिखे, जो देश की मूलभूत समस?याओं का निराकरण कर पाते।यदि संसद के पिछले सत्रों को देखा जाए तो मोदी सरकार महत्वपूर्ण समझा जाने वाला एक मात्र बिल- भारतीय वायुयान विधेयक ही पारित करा सकी है। पिछली सरकारों की तरह मोदी सरकार भी रह-रहकर होने वाले विधानसभा चुनावों का सामना करती है। बार-बार चुनावों के चलते सत्तापक्ष को विपक्ष को जवाब देने के लिए उस जैसे ही तौर-तरीके अपनाने पड़ते हैं। कई बार तो उसे न चाहते हुए भी वह सब करना पड़ता है, जो आर्थिक दृष्टि से सही नहीं होता। भाजपा को वैसी जन कल्याणकारी योजनाएं घोषित करनी पड़ी हैं, जैसी विपक्षी दलों ने वोट हासिल करने के लिए घोषित कीं। महिलाओं को मासिक भुगतान देने का जो चलन शुरू हुआ है, उससे अब कोई भी दल अछूता नहीं है। महिलाओं को आकर्षित करने वाली इन योजनाओं के कारण ही महाराष्ट्र में भाजपा को प्रचंड जीत मिली। मध्य प्रदेश, हिमाचल, कर्नाटक और झारखंड में भी ऐसी योजनाएं वोट हासिल करने का जरिया बनीं। अब दिल्ली में आम आदमी पार्टी भी इसी तरह की योजना लेकर आई है। राजनीतिक दल चाहे जो दावा करें, सरकारी कोष पर बोझ बनने वाली ऐसी योजनाओं को संचालित करने से बुनियादी बदलाव लाने वाली योजनाएं शुरू करने में समस्या होती है। मोदी सरकार कुछ दूरगामी प्रभाव वाली नीतियों पर कार्य कर रही है, जैसे जल प्राधिकरण बनाने की तैयारी। उसने तीन नए आपराधिक कानूनों पर अमल भी शुरू हुआ है। इसके अलावा मोदी सरकार ने कुछ अन्य ऐसी योजनाएं शुरू की हैं, जो प्रभावशाली हैं, लेकिन उनके नतीजे सामने आने में समय लगेगा। कोई नहीं जानता कि महत्वाकांक्षी उद्देश्य वाले जल प्राधिकरण के गठन का लाभ कब तक मिलने मिलेगा। इसी तरह यह कहना भी कठिन है कि राष्ट्रीय जल नीति कब तक प्रभावी रूप में लागू हो सकेगी। ध्यान रहे कि अभी जनता को शुद्ध पेयजल के ही लाले पड़े रहते हैं। यह ठीक है कि हर घर नल योजना आगे बढ़ रही है, लेकिन क्या वह सभी को शुद्ध पेयजल उपलब्ध करा पा रही है? आज भारत जिन समस?याओं से जूझ रहा है, वे पिछले कई वर्षों में अनदेखी के चलते गंभीर रूप ले चुकी हैं। उदाहरणस्वरूप शहरों का चरमराता आधारभूत ढांचा, बिगड़ती हुई आबोहवा और नदियों का अत?यधिक प्रदूषित होते जाना। ये समस्याएं स?वास?थ?य के लिए हानिकारक बन रही हैं। तथ्य यह भी है कि किसानों की हालत सुधारने के अनेक कदम उठाए जाने के बाद भी उनकी आय दोगुना करने का लक्ष्य दूर है। मोदी सरकार न्यायपालिका की कार्यप्रणाली में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं कर सकी है। समय पर न्याय सुलभ होना एक दूर की कौड़ी है। न तो न्यायपालिका में सुधार हो पा रहा है और न ही नौकरशाही में। नौकरशाही में निचले स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार कम होने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसा इसलिए है कि उसे जवाबदेह नहीं बनाया जा पा रहा है। इसी तरह पुलिस सुधार भी लंबित ही हैं। मोदी सरकार अपने पिछले कार्यकाल में जो नई शिक्षा नीति लाई थी, उस पर अमल बहुत धीमी गति से हो रहा है। अभी इस नीति के सकारात्मक प्रभाव दिखने शुरू नहीं हुए हैं। एक ओर जहां उच्च शिक्षा के लिए बड़ी संख्या में युवा विदेश की ओर रुख कर रहे हैं, वहीं जो युवा भारत में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, वे रोजगार पाने में परेशानी का सामना कर रहे हैं। युवाओं की जितनी भीड़ सरकारी नौकरियां पाने के लिए लालायित दिखती है, उतनी नौकरियां हैं नहीं। चूंकि जरूरी समझे जाने वाले राजनीतिक सुधार भी नहीं हो पा रहे हैं, इसलिए राजनीति जनसेवा के लक्ष्य से दूर होती जा रही है।

बड़ी विसंगति से मुक्त हुई स्कूली शिक्षा, सीखने की प्रक्रिया पर देना होगा अधिक ध्यान

वर्ष 1992 में आई यशपाल कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार बच्चों के स्कूल छोड़ने के पीछे ङ्खबस्ते का बोझङ्ग और विदेशी भाषा लादा जाना सबसे प्रमुख कारण है। फेल न करने की नीति के चलते शिक्षक गरीब बच्चों के प्रति और भी लापरवाह होते जा रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे उनके पास-फेल होने के लिए वे जिम्मेदार ही नहीं हैं। यह स्वागतयोग्य है कि शिक्षा का अधिकार कानून, 2009 की एक बड़ी विसंगति को केंद्र सरकार ने दूर कर दिया। अब नए सत्र से पांचवीं और आठवीं कक्षा की परीक्षा पास करने वाले छात्र ही अगली कक्षाओं में जा सकेंगे। वर्ष 2010 से पूरे देश में आठवीं तक की कक्षाओं को पास-फेल के नियम से मुक्त कर दिया गया था। ऐसा इस सीमित तर्क की आड़ में किया गया था कि फेल होने से बच्चे स्कूल छोड़ देते हैं, उनका मनोबल गिर जाता है और तनाव में आ जाते हैं। इसलिए बिना परीक्षा के ही उन्हें अगली कक्षा में प्रमोट किया जा रहा था।ठीक है कि शिक्षा का अर्थ केवल परीक्षा नहीं है और परीक्षा के तनाव से छात्रों को मुक्त भी रखा जाना चाहिए, लेकिन इस नियम ने स्कूली शिक्षा को तो नुकसान पहुंचाया ही, कालेज शिक्षा को भी बर्बाद कर दिया। इसका सबसे बुरा असर देश भर के सरकारी स्कूलों पर हुआ। ज्यादातर सरकारी स्कूलों में उन गरीब परिवारों के बच्चे पढ़ते हैं, जिनकी आर्थिक-सामाजिक स्थिति अच्छी नहीं होती। उनके पास अपने बच्चों की शिक्षा की तरफ ध्यान देने के लिए न वक्त होता है, न सामर्थ्य।कोई बच्चा घर से तो स्कूल चला गया, लेकिन वह वास्तव में स्कूल में गया या नहीं या उसने क्या पढ़ाई की, इसकी जानकारी तभी मिलेगी, जब वह परीक्षा देने के बाद पास या फेल होगा। आठवीं तक फेल न करने की नीति के चलते बच्चे अगली कक्षा में तो पहुंच जा रहे थे, लेकिन उनमें से कइयों को आता-जाता कुछ भी नहीं था। इससे अगली कक्षा के शिक्षकों के सामने भी कई समस्याएं खड़ी होने लगी थीं। नतीजतन स्कूली शिक्षा में और भी गिरावट आती गई।पिछले एक दशक से प्रथम और इस जैसी दूसरी संस्थाओं के सर्वे बार-बार यह रेखांकित कर रहे थे कि आठवीं के बच्चे को चौथी क्लास का गणित नहीं आता या पांचवीं का बच्चा दूसरी क्लास की हिंदी की किताब भी नहीं पढ़ सकता। ऐसी रपटें आने के बाद दो-चार दिन तो शिक्षा व्यवस्था पर कुछ प्रश्न उठते, लेकिन उसमें सुधार के बारे में कभी गंभीरता से नहीं सोचा जाता। ऐसे में निजी स्कूल सरकारी स्कूलों के मुकाबले और आगे बढ़ते चले जा रहे थे। जिन सलाहकारों ने बच्चों को स्कूल न छोड़ने देने के लिए फेल न करने का आसान रास्ता अपनाया, उन्होंने ऐसा कोई सुझाव नहीं दिया, जिससे इस समस्या को दूर किया जा सकता।जब यही बच्चे नौवीं-दसवीं में कई-कई बार अवसर देने के बावजूद भी फेल होते गए तो मजबूर होकर राज्य सरकारों ने केंद्र से गुहार लगाई कि फेल न करने की नीति तुरंत समाप्त की जाए, क्योंकि इससे सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर और बिगड़ जाएगा। 2016 में केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड ने राज्यों की बात पर ध्यान देते हुए इस नीति को बदलने की सलाह केंद्र सरकार को दी। 2019 में केंद्र सरकार ने राज्यों की सहमति से यह संशोधन तो कर दिया कि परीक्षा के बाद ही बच्चों को अगली कक्षाओं में प्रमोट किया जाएगा, लेकिन इसे लागू करने के बारे में राज्यों के ऊपर छोड़ दिया।चूंकि शिक्षा का अधिकार समवर्ती सूची का कानून है इसलिए बिना दो तिहाई राज्य सरकारों की सहमति के यह संभव नहीं था। दिल्ली, असम, बिहार, गुजरात, हिमाचल समेत 16 राज्यों ने इसे बदल दिया, लेकिन कर्नाटक, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश जैसे राज्य और केंद्रशासित प्रदेश पांचवीं और आठवीं कक्षा में फेल न करने की नीति पर ही चल रहे थे। अब केंद्र सरकार के निर्णय के बाद देश के सभी स्कूलों में पांचवीं और आठवीं कक्षा में फेल करने की नीति इसी सत्र से लागू कर दी गई है। इस सुधार में सबसे अच्छी बात यह है कि यदि कोई बच्चा फेल हो जाता है तो दो महीने बाद उसे एक मौका और दिया जाएगा। इस बीच स्कूल ऐसे कमजोर छात्रों पर विशेष ध्यान देंगे। स्कूलों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि वे बच्चों के संपूर्ण व्यक्तित्व विकास पर ध्यान देंगे और उनका नाम नहीं काटेंगे। यानी किसी भी हालत में बच्चों को उसी स्कूल में पढ़ने का अधिकार बना रहेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूली शिक्षा पूरी न करने और बीच में छोड़ देने की प्रवृत्ति जरूर है, लेकिन इसके लिए केवल पास-फेल की स्थितियां ही जिम्मेदार नहीं हैं। बच्चों में लिखने-पढ़ने का कुछ ज्ञान तो होना ही चाहिए। आंकड़ों में उन्हें आठवीं पास कर देने से उन्हें भविष्य में कोई फायदा नहीं मिलेगा, क्योंकि उन्हें आगे इंजीनियरिंग, मेडिकल में दाखिला लेने या नौकरी के लिए परीक्षाएं तो देनी ही होंगी। यह तर्क गले नहीं उतरता कि पांचवीं एवं आठवीं में फेल होने से स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की संख्या बढ़ जाएगी। वर्ष 1992 में आई यशपाल कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार बच्चों के स्कूल छोड़ने के पीछे ङ्खबस्ते का बोझङ्ग और विदेशी भाषा लादा जाना सबसे प्रमुख कारण है। फेल न करने की नीति के चलते शिक्षक गरीब बच्चों के प्रति और भी लापरवाह होते जा रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे उनके पास-फेल होने के लिए वे जिम्मेदार ही नहीं हैं। इस सुधार के बाद स्कूल, शिक्षक, अभिभावक और बच्चे सभी में पढ़ने-सीखने के प्रति जिम्मेदारी बढ़ेगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि इससे सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता भी बढ़ेगी।

सड़कों पर क्यों ठोकरें खाता है सरकारी नौकरी का ख्वाब

सरकारी नौकरी पाने का युवाओं का ख्वाब अमूमन इस तरह सड़कों पर दर-दर की ठोकरें खाने पर क्यों मजबूर है? देश के अधिकांश राज्य लोक सेवा आयोग अक्षमता के शिकार हैं, ऐसा क्यों बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के परीक्षार्थियों का प्रारंभिक परीक्षा रद्द करने का आंदोलन तीन हफ्ते बाद भी समाप्त नहीं हो रहा है तो इसको लेकर कई सवाल उठने लगे हैं। पहला तो यह राज्यों में सरकारी नौकरी पाने का युवाओं का ख्वाब अमूमन इस तरह सड़कों पर दर-दर की ठोकरें खाने पर क्यों मजबूर है? दूसरा, देश के परीक्षार्थियों के सड़कों पर उतरने के पीछे कोचिंग क्लास माफिया का हाथ है, क्योंकि वो सभी प्रतियोगी परीक्षाएं अपनी सुविधा और स्वार्थ के हिसाब से करवाना चाहते हैं, न होने पर आंदोलन करवा देते हैं। उधर यह राजनीतिक मुद्दा भी बन गया है।शुरू में कुछ विपक्षी दलों ने आंदोलनकारी परीक्षार्थियों के साथ खड़ा दिखने की कोशिश की, लेकिन बाद में जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर द्वारा आंदोलन को हाईजैक करता देख, दूसरे दलों ने इससे दूरी बना ली। सत्तारूढ़ एनडीए के घटक दल तो इस आंदोलन को शुरू से प्रायोजित और नीतीश सरकार को बदनाम करने वाला बता रहे हैं। हालांकि कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर मामला नहीं सुलझा तो परीक्षार्थियों का यह आंदोलन मिनी अन्ना आंदोलन में भी तब्दील हो सकता है, जो सत्तारूढ़ एनडीए के लिए खतरे की घंटी है।परीक्षा आयोजन में प्रौद्योगिकी का बढ़ता इस्तेमाल उसकी शुचिता, पारदर्शिता और त्वरितता के लिए कम, हेराफेरी के लिए ज्यादा होता दिख रहा है। अव्वल तो राज्यों में सरकारी भर्ती के विज्ञापन ही कम निकलते हैं। निकले भी तो उसमें दस गलतियां होती है या जानबूझकर की जाती हैं। मान लीजिए कि विज्ञापन के बाद प्रतियोगी परीक्षा की तारीखें घोषित हो भी गईं तो तय तिथि को परीक्षा हो जाए तो खुद को किस्मत वाला समझिए।अगर परीक्षा भी समय पर हो गई तो परीक्षा के पेपर लीक होना, पर्चे बिकना, फिर रिजल्ट बरसों लटके रहना, रिजल्ट भी आ जाए तो नियुक्ति पत्र मिलने के लिए बरसों इंतजार करने की मजबूरी अब आम बात हो गई है। केवल यूपीएससी की परीक्षाएं काफी हद तक बेहतर ढंग से हो रही हैं। वरना अन्य प्रतियोगी परीक्षा के अभ्यर्थियों को हर बात में इंसाफ के लिए या तो सड़कों पर आना पड़ता है या फिर कोर्ट की शरण लेनी पड़ती है। ऐसा क्यों हो रहा है, इसका न तो कोई जवाबदेह है और न ही किसी को इसकी चिंता है। जबकि यह देश के युवाओं के भविष्य से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। बीपीएससी की कहानी भी इससे अलग नहीं है। वहां बरसों बाद बड़े पैमाने पर द्वितीय श्रेणी के सरकारी पदों पर भर्तियां निकली थीं। लेकिन उसमें भी अफरा तफरी हुई। बताया जाता है कि बीपीएससी में पेपर लीक का विवाद परीक्षा के बापू सेंटर से शुरू हुआ। वहां कुछ पेपर कम पड़ गए थे तो दूसरे केन्द्र से मंगवाने पड़े। जिससे कई परीक्षार्थियों को थोड़े समय के अंतर से पेपर मिले। यकीनन यह बीपीएससी की बड़ी लापरवाही थी। अगर आयोग पर्याप्त संख्या में परीक्षार्थियो को प्रश्नपत्र भी उपलब्ध नहीं करा सकता तो इसे क्या कहा जाए? इस बीच खबर फैली कि पेपर लीक हो चुका है। यह सुनते ही छात्र भड़क गए और उन्होंने पेपर का बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस बीच एक आंदोलनकारी को पटना डीएम ने तमाचा जड़ दिया। उधर बीपीएससी का कहना है कि मामला चूंकि एक ही सेंटर का था इसलिए पूरी परीक्षा रद्द करने का सवाल ही नहीं है। लेकिन इस दलील पर परीक्षार्थियों को भरोसा नहीं हो रहा। उनका आंदोलन उग्र हो गया तो पुलिस ने लाठियां भी बरसाईं। अब जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर इस आंदोलन के पुरोधा बनकर अपनी सियासी जमीन तलाशने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच कुछ अन्य नेताओं जैसे तेजस्वी यादव आदि ने भी शुरू में आंदोलनकारियों से सहानुभूति जताई, लेकिन बाद में हाथ खींच लिया। अब परीक्षार्थियों का कहना है कि वे मुद्दे को लेकर हाई कोर्ट जाएंगे। कुलमिलाकर बिहार पीएससी परीक्षार्थियों को कोई राहत जल्द मिलेगी, ऐसा लगता नहीं है। हमने पिछले साल नंवबर में उत्तर प्रदेश पीएससी के परीक्षार्थियो का आंदोलन भी देखा,जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हस्तक्षेप के बाद समाप्त हुआ था। वहां परीक्षार्थी यूपीपीएससी द्वारा नार्मलाइजेशन प्रक्रिया के बजाए पर्सेंटाइल पद्धति से परीक्षा कराने, पूरी परीक्षा एक ही पाली में कराने की मांग को लेकर आंदोलन पर उतरे थे।बता दें कि नॉर्मलाइजेशन से तात्पर्य किसी भी परीक्षा में परीक्षार्थियों की तादाद बहुत ज्यादा होने पर आयोजक दो पालियों में परीक्षा कराते हैं। ऐसे में अगर पहली पाली का पेपर कठिन आता है और उसमें अभ्यर्थियों के कम नंबर आते हैं तो दूसरी पाली का पेपर थोड़ा आसान होता है और उसमें

अधिकांश राज्य लोक सेवा आयोग अक्षमता के शिकार हैं, ऐसा क्यों उनके द्वारा भर्ती किए जाने वाले कल के अफसरों और अन्य कर्मचारियों के चयन की शुचिता क्यों नहीं रह पाती है? ऐसा होने के लिए जिम्मेदार कौन है, सरकारी नौकरी का सपना देखने वाले या फिर इन रुआबदार नौकरियों के लिए परीक्षा आयोजित करने वाले? तीसरे, इन धांधलियों पर लगाम कब लगेगी और कौन लगाएगा बीपीएससी की 70 वीं संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा (सीपीई) के पेपर लीक होने की खबर के बाद से गुस्साए परीक्षार्थी सड़कों पर उतरे हुए हैं और पटना के गर्दनीबाग में धरना दे रहे हैं। गड़बड़ी की गंभीर शिकायतों के बीच बीपीएससी ने 4 जनवरी को री-एग्जाम (पुनर्परीक्षा) भी आयोजित की, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ, क्योंकि परीक्षार्थियों को बीपीएससी पर ही भरोसा नहीं है। (हालांकि किसी संस्था पर से भरोसा उठ जाना भी समस्या के समाधान में मददगार नहीं होता)। व्यवस्था और तंत्र पर आपको कुछ तो यकीन रखना ही होगा।बीपीएससी ने इतना जरूर माना कि बापू परिसर परीक्षा केन्द्र पर पेपर लीक हुआ, लेकिन उसने समूची परीक्षा रद्द करने से इंकार कर दिया। शक यह भी है कि अभ्यर्थियों के ज्यादा नंबर आते हैं तो कठिन पेपर वाली पाली के अभ्यर्थियों के नंबर में थोड़ी बढ़ोतरी कर दी जाती है। यही नॉर्मलाइजेशन कहलाता है।विरोध कर रहे अभ्यर्थियों का कहना था कि यह खेल के बीच नियम बदलने जैसा है और इसमें धांधली की पूरी गुंजाइश है। लिहाजा समूची परीक्षा एक ही पाली में कराई जाए। सवाल यह है कि जब यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा एक पाली में कराती है तो राज्य सेवा आयोग ऐसा क्यों नहीं कर सकते इसी तरह बीते दिसंबर में मप्र के इंदौर में 'नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन' के बैनर तले एमपीपीएससी के अभ्यर्थियों ने न्याय यात्रा निकाली थी। उनकी मांग थी कि एमपीपीएससी की 2019 की मुख्य परीक्षा की कॉपियां दिखाई जाएं और इसकी मार्कशीट जारी की जाए। साथ ही सभी विज्ञापित पदो पर एक साथ भर्ती की जाए। आंदोलनकारियों ने इंदौर में मप्र लोक सेवा आयोग के मुख्यालय पर धरना भी दिया। बाद में सरकार के दखल के बाद अभ्यर्थियों ने आंदोलन समाप्त किया। इसी तरह महाराष्ट्र में ठाकरे राज में महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग द्वारा प्रस्तावित परीक्षाएं कोरोना के कारण रद्द करने पर नाराज अभ्यर्थियों ने राज्यव्यापी आंदोलन किया था।

डिजिटल भारत की आकांक्षाओं का प्रतीक, डाटा संरक्षण अधिनियम से सबको मिलेगा फायदा

डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण अधिनियम 2023 के सिद्धांतों पर आधारित मसौदा नियम विभिन्न हितधारकों से एकत्र किए गए व्यापक इनपुट और वैश्विक सर्वोत्तम तौर-तरीकों के अध्ययन का परिणाम है। नागरिकों व्यवसायों और नागरिक समाज से प्रतिक्रिया और सुझाव आमंत्रित करते हुए हमने सार्वजनिक परामर्श के लिए 45-दिनों की अवधि निर्धारित की है। यह डिजिटल-प्रथम दृष्टिकोण सहमति व्यवस्था और डाटा प्रबंधन कार्य तक विस्तारित है।जब हम विश्व के भविष्य के बारे में बात करते हैं, तो मानव-केंद्रित दृष्टिकोण सबसे महत्वपूर्ण होना चाहिए।' संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ये शब्द लोगों को सर्वोपरि रखने के भारत के दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। इस दर्शन ने डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण (डीपीडीपी) नियम, 2025 के मसौदे को आकार देने में हमारे प्रयासों का मार्गदर्शन किया है। अंतिम रूप दिए जाने के बाद डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण अधिनियम, 2023 लागू हो जाएगा, जो नागरिकों के व्यक्तिगत डाटा सुरक्षा के अधिकार की रक्षा के लिए हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करेगा। भारतीय नागरिक ही डीपीडीपी नियम, 2025 के केंद्र में हैं। डाटा के बढ़ते वर्चस्व वाली दुनिया में हमारा मानना है कि व्यक्तियों को शासन की रूपरेखा के केंद्र में रखना अनिवार्य है। ये नियम नागरिकों को कई अधिकारों से सशक्त बनाते हैं, जैसे सूचना आधारित सहमति, डाटा मिटाने की सुविधा और डिजिटल रूप में नामांकित व्यक्ति को नियुक्त करने की क्षमता आदि। नागरिक अब उल्लंघनों या अनधिकृत डाटा उपयोग

के सामने असहाय महसूस नहीं करेंगे। उनके पास अपनी डिजिटल पहचान को प्रभावी ढंग से सुरक्षित रखने के उपाय होंगे। इससे संबंधित नियमों को सरलता एवं स्पष्टता के साथ तैयार किया गया है। इसमें सुनिश्चित किया गया है कि प्रत्येक भारतीय, चाहे उनके पास तकनीकी ज्ञान कुछ भी हो, अपने अधिकारों को समझ सकता है और उनका प्रयोग कर सकता है। सहमति स्पष्ट शब्दों में मांगी जाती है तथा नागरिकों को अंग्रेजी या संविधान में सूचीबद्ध 22 भारतीय भाषाओं में से किसी में भी जानकारी देना अनिवार्य बनाया है। यह रूपरेखा समावेशिता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। आज के इस डिजिटल युग में बच्चों की विशेष देखभाल की आवश्यकता है। इसे मान्यता देते हुए नियम नाबालिगों के व्यक्तिगत डाटा का इस्तेमाल करने के लिए माता-पिता या अभिभावक की सत्यापन योग्य सहमति को अनिवार्य बनाते हैं। अतिरिक्त सुरक्षा उपाय बच्चों को शोषण, अनधिकृत प्रोफाइल बनाने और अन्य डिजिटल नुकसान से बचाव सुनिश्चित करते हैं। ये प्रविधान भविष्य की पीढ़ी के लिए एक सुरक्षित डिजिटल परिदृश्य बनाने के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाते हैं। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था एक वैश्विक सफलता की गाथा रही है और हम इस गति को बनाए रखने के प्रति दृढ़ हैं। हमारी रूपरेखा डिजिटल अर्थव्यवस्था में नवाचार को सक्षम करते हुए नागरिकों के लिए व्यक्तिगत डाटा सुरक्षा सुनिश्चित करती है। विनियमन पर बहुत अधिक जोर देने वाले कुछ अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों के विपरीत हमारा दृष्टिकोण व्यावहारिक और विकासोन्मुखी है। यह संतुलन सुनिश्चित करता है कि नागरिकों की सुरक्षा की जाए और नवाचार भावना को दबाया न जाए, जो हमारे स्टार्टअप और व्यवसायों को प्रेरित करती है। नई व्यवस्था से छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप के लिए अनुपालन बोझ कम हो जाएगा। हितधारकों की अलग-अलग क्षमताओं को ध्यान में रखते हुए नियमों को वर्गीकृत जिम्मेदारियों के साथ डिजाइन किया गया है। डाटा विश्वास के मूल्यांकन के आधार पर बड़ी कंपनियों के पास बड़े दायित्व होंगे, जो विकास को बाधित किए बिना जवाबदेही सुनिश्चित करेंगे। इन नियमों के मूल में 'डिजाइन से डिजिटल' दर्शन है। डाटा सुरक्षा बोर्ड मुख्य रूप से एक डिजिटल कार्यालय के रूप में कार्य करेगा, जिसे शिकायतों का समाधान करने और अनुपालन लागू करने का काम सौंपा गया है। प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर हम दक्षता, पारदर्शिता और गति सुनिश्चित करते हैं। नागरिक शारीरिक उपस्थिति के बिना भी शिकायत दर्ज कर सकते हैं। प्रगति की निगरानी कर सकते हैं और समाधान प्राप्त कर सकते हैं। यह डिजिटल-प्रथम दृष्टिकोण सहमति व्यवस्था और डाटा प्रबंधन कार्य तक विस्तारित है। प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करके हम बड़ी कंपनियों के लिए अनुपालन और नागरिकों के लिए जुड़ना आसान बनाते हैं, जिससे प्रणाली में विश्वास बढ़ता है। इन नियमों की यात्रा उनके अभिप्राय जितनी ही समावेशी रही है। डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण अधिनियम, 2023 के सिद्धांतों पर आधारित, मसौदा नियम विभिन्न हितधारकों से एकत्र किए गए व्यापक इनपुट और वैश्विक सर्वोत्तम तौर-तरीकों के अध्ययन का परिणाम है। नागरिकों, व्यवसायों और नागरिक समाज से प्रतिक्रिया और सुझाव आमंत्रित करते हुए हमने सार्वजनिक परामर्श के लिए 45-दिनों की अवधि निर्धारित की है। यह जुड़ाव सामूहिक ज्ञान और भागीदारीपूर्ण नीति निर्माण के महत्व में हमारे विश्वास का प्रमाण है, जबकि यह सुनिश्चित करना है कि यह व्यवस्था न केवल मजबूत हो, बल्कि हमारे सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य की अनूठी चुनौतियों के अनुकूल भी हो। यह सुनिश्चित करने के लिए कि नागरिक अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक हैं, नागरिकों को उनके व्यक्तिगत डाटा से जुड़े अधिकारों के बारे में शिक्षित करने के लिए व्यापक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन नियमों की शुरुआत के साथ हम न केवल वर्तमान चुनौतियों का समाधान कर रहे हैं, बल्कि एक सुरक्षित और अभिनव डिजिटल भविष्य की आधारशिला भी रख रहे हैं। डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण नियम, 2025 का मसौदा वैश्विक डाटा शासन मानदंडों को आकार देने में भारत के नेतृत्व को प्रतिबिंबित करता है। नागरिकों को केंद्र में रखते हुए नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देकर हम एक मिसाल कायम कर रहे हैं, जिसका दुनिया अनुसरण कर सकती है। हमारी प्रतिबद्धता स्पष्ट है कि इस डिजिटल युग में प्रत्येक भारतीय को सुरक्षित, सशक्त और सक्षम बनाना। मैं प्रत्येक नागरिक, व्यवसाय और नागरिक समाज समूह को परामर्श अवधि के दौरान टिप्पणियां और सुझाव साझा करके इस संवाद में भाग लेने के लिए आमंत्रित-प्रोत्साहित करता हूं। आइए हम सब मिलकर इन नियमों को परिष्कृत करें ताकि एक ऐसी व्यवस्था तैयार हो सके, जो वास्तव में एक सुरक्षित, समावेशी और संपन्न डिजिटल भारत की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती हो।

छठ पूजा समिति अध्यक्ष गजेंद्र सिंह को दी श्रद्धांजलि

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा । पूर्वांचल मित्र मंडल छठ पूजा समिति सेक्टर 31 के अध्यक्ष एवं समाजसेवी गजेंद्र सिंह के निधन पर छठ पूजा समिति के पदाधिकारियों एवं निठारी ग्राम वासियों द्वारा निठारी गांव में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साठ वर्षीय गजेंद्र सिंह का आकस्मिक निधन मंगलवार को हृदय आघात होने के कारण हुआ था । पूर्वांचल मित्र मंडल छठ पूजा समिति द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें सभी ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने ईश्वर से उन्हें अपने चरणों में स्थान देने और परिवार को इस असहनीय वेदना को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। एक समाजसेवी व्यक्ति के आकस्मिक निधन से सभी स्तब्ध एवं दुखी हैं। इस अवसर पर राम फूल अवाना, राघवेंद्र दुबे, अर्जुन प्रजापति, अरविंद, सूरज सिंह, नाहर सिंह, चंदन, आकाश, सुबोध, जितेंद्र, मनीष, मंगल ठाकुर, कुशल भाटी, सचिन अवाना एडवोकेट, जय प्रकाश गुप्ता सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

सरकार गठन से पहले यमुना शुद्धीकरण पर काम शुरू, विदेश से लौटते ही प्रधानमंत्री को सौंपी जाएगी रिपोर्ट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। इसके लिए बुधवार को प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से एक बैठक बुलाई गई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से इसमें दिल्ली के मुख्य सचिव सचिव समेत सभी संबंधित विभागों के आला अधिकारी शामिल हुए। दिल्ली में नई सरकार गठित होने से पहले यमुना शुद्धीकरण पर काम शुरू हो गया है। भाजपा की दिल्ली सरकार का पूरा जोर दिल्ली में यमुना नदी को अविरल व निर्मल बनाने के लिए बड़ी गारंटी पूरी करने पर जोर होगा। इसके लिए बुधवार प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से एक बैठक बुलाई गई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से इसमें दिल्ली के मुख्य सचिव सचिव समेत सभी संबंधित विभागों के आलाधिकारी शामिल हुए। इसमें अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेश दौरे से लौटने तक नदी के प्रदूषण के स्रोतों से जुड़ी एक रिपोर्ट तैयार करें। इसके आधार पर आगे की कार्ययोजना तैयार होगी। पूरी योजना दिल्ली सरकार के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी निगरानी करेंगे।नाम उजागर न करने की शर्त पर बैठक में शामिल एक अधिकारी ने बताया कि पहली बैठक में तय किया गया है कि यमुना नदी की सफाई की कार्ययोजना तैयार करने से पहले प्रदूषण के स्रोतों पर वास्तविक स्थिति पता करनी है।

आचार्य द्विवेदी ने स्त्री सम्मान का उदाहरण प्रस्तुत किया : सांसद शर्मा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी स्मृति संरक्षण अभियान के तहत शहर के होटल द मीरा के सभागार में आचार्य स्मृति कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अमेठी सांसद कल शर्मा पूर्व पुलिस महानिदेशक महेश चंद द्विवेदी को सम्मानित किया गया। जनपद के कर्मयोगियों का अभिनंदन भी हुआ।मुख्य अतिथि श्री शर्मा ने कहा कि आचार्य द्विवेदी ने खड़ी बोली हिंदी को सजाया संवारा। महिला सम्मान के हिमायती थे। निधन के बाद उन्होंने अपनी पत्नी की मूर्ति सरस्वती और लक्ष्मी के बीच में स्थापित करके सवा सौ साल पहले स्त्री सम्मान का एक उदाहरण प्रस्तुत किया था। 2010 में आचार्य द्विवेदी की मूर्ति का अनावरण करने दौलतपुर गई सोनिया गांधी ने हम सबको ऐसे ही स्त्री सम्मान की नसीहत दी थी। लेखक एवं प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक महेश चंद द्विवेदी ने कहा कि आचार्य जी ने खड़ी बोली हिंदी का परिष्कार करके बोलिया में बाटी भाषा को एक रूप दिया था। साहित्य और भाषा में उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनकी स्मृतियों को समझने के कार्य को और आगे बढ़ाया जाना चाहिए। वुल्पति-एएएफटी यूनिवर्सिटी मीडिया एंड आर्ट्स, रायपुर (छत्तीसगढ़) के नामित डा. भारत साह ने कहा कि महावीर प्रसाद द्विवेदी साहित्य जगत में बहुत बड़ा नाम है। उनके नाम पर हिंदी का पूरा एक युग है। पुस्तक मेले का आयोजन भारत की बड़ी आवश्यकता है हिंदी जगत में प्रचार

प्रसार को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। लेखिका श्रीमती नीरजा द्विवेदी ने कहा कि आचार्य जी ने जितना लिखा उससे ज्यादा समाज में किया भी। साहित्य सृजन के अलावा उनकी सामाजिक सेवाएं भी उल्लेखनीय हैं। डा आभा ने कहा कि आचार्य द्विवेदी का हिंदी में बहुत बड़ा योगदान है। हिंदी भाषा का रसास्वादन करना है तो बच्चे पुस्तक, किताबों और आचार्य जी के साहित्य को पढ़ें। इस अवसर पर पदमश्री सुधा सिंह, नगर पालिका परिषद शत्रोहन सोनकर, डॉ गौरव गुप्ता ने भी आचार्य द्विवेदी स्मृति दिवस पर अपने विचार व्यक्त किये। संयोजक गौरव अवस्थी ने आचार्यश्री के स्मृति संरक्षण अभियान के 25 साल के सफर का उल्लेख करते हुए बताया कि आचार्य श्री का अभियान रायबरेली से अमरीका तक पहुंच चुका है।भविष्य में भी प्रगति के पथ पर अग्रसर रहेगा। आयोजन में फिरोज गांधी कॉलेज के प्रबंधन मंत्री अतुल भार्गव न्यू स्टैंडर्ड ग्रुप का स्कूल के एमडी शशिकांत शर्मा, रामकृष्णा पब्लिक स्कूल के एमडी जेपी त्रिपाठी, सपा के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र यादव, कांग्रेस के जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष वीके शुक्ल, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष अजय त्रिपाठी, क्षेत्रीय मंत्री दिलीप यादव, कांग्रेस नेता राजेश यादव, ओपी श्रीवास्तव, समाजसेवी हरिहर सिंह, विजय रस्तोगी, राजीव भार्गव, प्रमोद अवस्थी, वीरेंद्र दीक्षित, विनय द्विवेदी, संतोष डे, क्षमता मिश्रा, घनश्याम मिश्र, चंद्रमणि बाजपेई, रामबाबू मिश्रा, अमित सिंह, राजेश वर्मा, सुनीता अवस्थी उपस्थित रहे। समिति के अध्यक्ष विनोद शुक्ला ने सभी का स्वागत और महामंत्री अनिल मिश्रा ने आभार व्यक्त किया। संचालन आंचल अवस्थी ने किया।

डीएम ने श्रद्धालुओं के सुगम यातायात प्रबंधन हेतु किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने महाकुंभ 2025 के दृष्टिगत सुगम यातायात प्रबंधन हेतु रेलवे स्टेशन, सिविल लाइन चौराहा,जगतपुर का निरीक्षण किया।निरीक्षण के समय उन्होंने ट्रैफिक, प्रकाश ,साफ सफाई, सुरक्षा व श्रद्धालुओं के लिए विश्रामालय, स्वागतकक्ष, शुद्ध पेयजल, शौचालय,महाकुंभ सहायता केन्द्रों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुवे कहा कि यातायात, वाहनों के सुगम आवागमन, पार्किंग, सुरक्षा, निगरानी समेत विभिन्न पहलुओं पर पूरी तत्परता के साथ कार्य करते रहे, जिससे श्रद्धालुओं के आवागमन में किसी प्रकार की कोई समस्या न हो।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन सिद्धार्थ, अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

18वीं विशाल भण्डारा व सांस्कृतिक भजन संध्या का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। आगामी 26 फरवरी दिन शुकवार को महाशिवरात्रि के पर्व पर पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी शिव बारात, नगर भोज व मनमोहक झाकियों द्वारा नृत्य प्रस्तुतीकरण व भजन संध्या का आयोजन फिरोज गाधी डिग्री कालेज के गेट संख्या-3 पर कराया जाना सुनिश्चित किया गया है। मन्दिर ट्रस्ट के संरक्षक शैलेन्द्र अग्निहोत्री द्वारा बताया गया कि बारात राजेश कुमार सिंह (उपाध्याक्ष) के नेतृत्व में राजकीय कालोनी स्थित शिव मन्दिर से इन्दिरा उद्यान बरगद चौराहा, माना चौराहा, नेहरू नगर, इन्दिरा नगर माध्य मार्ग से होते हुए आर0डी0ए0 काम्प्लेक्स डिग्री कालेज चौराहा कैनाल रोड जिलाधिकारी चौराहा अस्पताल चौराहा हाथी पार्क होते हुए पुनः पुनः डिग्री कालेज चौराहा स्थित पहलवान बीर बाचा मन्दिर पर पहुंचेगी जहां बारात की आरती व भव्य स्वागत किया जायेगा। इसके उपरान्त बारात डिग्री कालेज गेट नं0-3 पर पहुंचेगी जहां शिव विवाह सम्पन्न कराया जायेगा। इसके साथ ही भजन संध्या निरन्तर चलता रहेगा। भजन संध्या में मुख्य अतिथि के रूप में श्री मनोज द्विवेदी (दादा जी) होंगे। भण्डारे का शुभारम्भ कन्या भोज के साथ दोपहर 12:30 बजे शुरू होगा। बारात में वर पक्ष की तरफ से यजमान के रूप में श्री सत्य प्रकाश पाण्डेय सपत्नी श्रीमती गीता पाण्डेय एवं कन्य पक्ष की तरफ से यजमान के रूप में श्री सतीश सिंह (सी0ए0) सपत्नी पूनम सिंह मौजूद रहेंगे। बैठक में मुख्य रूप से संरक्षक शैलेन्द्र अग्निहोत्री, डा0 संजय रस्तोगी, अनिल मिश्रा (रामजी) सत्य प्रकाश पाण्डेय, हरिहर सिंह, घनश्याम अटलानी, सतीश अटलानी, हरिओम भोले अटलानी, राजेश कुमार सिंह, धीरेन्द्र गुप्ता, हर्षवर्धन तिवरी, पिन्टू पत्रकार, जागरण सम्राट बब्बी शुक्ला, डा0 ए0के0 द्विवेदी, (आई सर्जन) डा0 जी0एम0 द्विवेदी (अपेक्स ट्रामा सेन्टर), डा0 विपिन त्रिपाठी, आशू दीक्षित, सुशील श्रीवास्तव, शिवम्, प्रशान्त, कैलाश सर्व श्री महेन्द्र अग्रवाल, विवेक चित्रांश, अनूप अग्रवाल, मोहित पाण्डेय, विष्णु तिवारी, दिनेश (डिस), विपिन शुक्ला, अजय कुमार, जैन, सुनील पाण्डेय व संजय गुप्ता व महिला अध्यक्ष श्रीमती रेनू सिंह नीतू प्रजापति, विमलेश मिश्रा, श्रीमती सारिका शुक्ला, श्रीमती प्रियंका कक्कड़, श्रीमती सुषमा, श्रीमती नीतू पाण्डेय, नीलू सिंह, श्रीमती अनीता दीक्षित, अन्नू दीदी, सरिता सिंह, बबली शुक्ला, रश्मी अवस्थी आदि सदस्य व पदाधिकारीगण उपस्थित रहेंगे।बैठक के उपरान्त अध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों च पदाधिकारियों व पत्रकार बन्धुओं को धन्यवाद ज्ञापित किया।

राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) का 10वां स्थापना दिवस, जेवर विधायक बोले- ज़िम्स अब न केवल उत्तर प्रदेश के बल्कि देश के मरीजों का भी उपचार कराने में अग्रणी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा । जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान के 10वें स्थापना दिवस के मौके पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया, जहां एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे बच्चों से जेवर विधायक श्री धीरेंद्र सिंह ने सीधा संवाद करते हुए कहा कि ठआप चिकित्सा को व्यवसाय नहीं वरन् जनसेवा का माध्यम बनाएं।ठ जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने चिकित्सा की वर्तमान चुनौतियों और उनके समाधान पर भी छात्र-छात्राओं से खुलकर चर्चा की। जेवर विधायक श्री धीरेंद्र सिंह ने इस मौके पर उपस्थित समस्त स्टाफ और बच्चों को संबोधित करते हुए आगे कहा कि ठचिकित्सा एक कला और सेवा करने का माध्यम है। इसे हमें धन कमाने का साधन नहीं बनना चाहिए। इस चिकित्सा पद्धति को मात्र व्यावसायिक दृष्टिकोण से न देखा जाए, बल्कि इसे जानता की सेवा के रूप में अपनाएं।राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान के 10वें स्थापना दिवस के मौके पर जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने बताया कि विगत 10 वर्षों में जिम्स एक ऐसा संस्थान बनकर उभरा है, जहां गरीब से गरीब व्यक्ति भी अपना इलाज कर सकता है।छात्र-छात्राओं से संवाद के दौरान जेवर विधायक श्री धीरेन्द्र सिंह ने सन 1946 में डॉ. कोटनीस के ऊपर बनी फिल्म

का भी उल्लेख करते हुए कहा कि ठयह फ़िल्म एक वास्तविक जीवन के डॉ. द्वारकानाथ कोटनीस के जीवन पर आधारित है, जो द्वितीय विश्व युद्ध में जापानी आक्रमण के दौरान चीन में काम करने वाले एक भारतीय डॉक्टर थे और उन्होंने अपने मरीजों का इलाज करते हुए अपनी जान दे दी थी। इसलिए मुझे नजर आया कि ऊपर तो ईश्वर है और लोग नीचे डॉक्टर को भी इसी नजरिए से देखते हैं। जेवर विधायक श्री धीरेन्द्र सिंह ने अंत में कहा कि ठडॉक्टर्स के प्रति लोगों के जहन में जो धारणा और सम्मान है, उस धारणा और सम्मान में कमी नहीं आनी चाहिए। स्थापना दिवस के मौके पर राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान के डायरेक्टर श्री राकेश कुमार गुप्ता ने कहा कि पिछले 5 वर्षों में इस अस्पताल में मरीजों की संख्या में पांच प्रतिशत की वृद्धि हुई है। साथ ही ऑपरेशन की संख्या में भी इजाफा हुआ है। मेरा दिल और दिमाग़ हमेशा मरीजों की सेवा में लगा रहता है।वर्तमान में राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान में तकरीबन 400 डॉक्टर्स काम कर रहे हैं। इस अस्पताल में लगभग 650 बेड मौजूद हैं। रोजाना तकरीबन 1000 से भी अधिक मरीज की जांच इत्यादि होती है। सीटी स्कैन, एमआरआई, विशिष्ट लैब तथा डायलिसिस की जांच बहुत कम पैसों में की जाती है। राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान में आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना, पंडित दीनदयाल उपाध्याय कैशलेस चिकित्सा सुविधा आदि लाभार्थियों के इलाज निशुल्क किए जाते हैं। ई संजीवनी सुविधा भी मरीज के हेतु संचालित की जा रही है। वर्ष 2019 से 100 एमबीबीएस की सीटों पर पाठ्यक्रम किया जा रहा है। आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से संस्थान के डायरेक्टर राकेश कुमार गुप्ता, डीन डॉक्टर रंभा पाठक, डॉ रंजना वर्मा, डॉक्टर अनुराग श्रीवास्तव, डॉ मनीष सिंह, डॉक्टर नीतू भदोरिया, डॉक्टर शिवानी कलहान, डॉ जेएस तोमर आदि अनेकों डॉक्टर भी मौजूद रहे।

पॉकेट 7 सेक्टर 82 में गले पैनल बॉक्स , खुली केबल दे रही खतरे को दावत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नोएडा । नोएडा ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 सेक्टर 82 में विद्युत संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए आरडब्ल्यूए ने कई पत्र अधिकारियों को दिए लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने बताया कि एमडी, मुख्य अभियंता, एसडीओ सभी को कई बार पत्र दिए गए लेकिन समस्या का निराकरण नहीं किया गया है। ज्यादातर पैनल बॉक्स गल गए हैं और मीटर लटके हुए हैं जो कि खतरनाक है। ट्रांसफार्मर और पैनल बॉक्स से जुड़ी हुई मोटी केबल को खुले में ही डाला हुआ है जिसको अंडरग्राउंड कराना बहुत जरूरी है कुछ समय पहले एकदिन के लिए कर्मचारी आए थे इसके बाद फिर नहीं आए। मीटर से घर की लाइट को जोड़ने वाली केबल ऊपर से खुले में पड़ी है जो कि खतरनाक है इसे भी अंडरग्राउंड किया जाए। चारों कोनों पर चार ट्रांसफार्मर लगे हैं उनके नीचे की सतह कच्ची है जिससे झाड़ियां उगी रहती हैं और सांप निकलते रहते हैं उसको पक्का कराया जाए। ट्रांसफार्मर के पास लगे चेंज ओवर पूरी तरह से खत्म हो चुके हैं किसी आपात स्थिति में कुछ नहीं कर सकते हो। अंदर कुछ पोल गले हुए हैं जिनको बदलने की तुरंत आवश्यकता है। विद्युत विभाग इतने शिकायती पत्र देने के बाद भी लापरवाही बरत रहा है। क्या विद्युत विभाग किसी अनहोनी होने के इंतजार में है। हम इसका जल्द समाधान चाहते हैं।

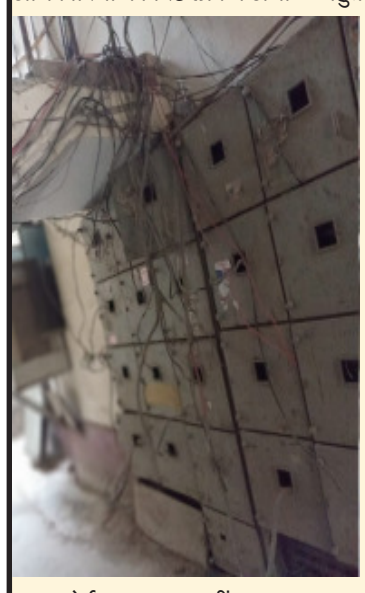

डीएम ने तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की सुनी समस्याएं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि जनसामान्य की शिकायतों का स्थानीय स्तर पर समाधान किया जाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है जिसके क्रम में तहसील व थानों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है। इसमें स्थानीय नागरिक उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का समाधान करा सकते है। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी जनता की इन शिकायतों का निस्तारण त्वरित एवं समयबद्ध तरीके से एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में यदि कोई समस्या है तो उसका कारण स्पष्ट करते हुए अवगत कराना सुनिश्चित किया जाये।जिलाधिकारी ने बताया कि तहसील सदर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 56 प्रकरण प्राप्त हुए, जिसमें से 04 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष प्रकरणों को निस्तारण हेतु सम्बन्धित विभागों को इस निर्देश के साथ उपलब्ध करा दिये गये कि उनका निस्तारण एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित कराए। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, एसडीएम सदर प्रफुल्ल कुमार शर्मा, तहसीलदार सदर प्रज्ञा द्विवेदी सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मां शीतला मंदिर में हो रही खाटू श्याम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम प्रारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। शनिवार को मां शीतला मंदिर में हो रही खाटू श्याम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के तीसरे दिन की प्रातः बेला की पूजा में

सर्वप्रथम बाबा को अन्ना दिवस से जगाया गया और बाबा का मिष्ठानधिवास हुआ मिष्ठानधिवास के उपरांत बेदी पूजन का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ तत्पश्चाप बाबा का इत्रधिवास हुआ उसके बाद तत्पश्चात पुन पूजन का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ और लगभग एक घंटे की पूजन के बाद बाबा को इत्रधिवास से जगाया गया और साथ ही बाबा को पुष्पाधिदिवस हुआ, आचार्य अरुण शास्त्री जी ने बताया कि पुष्पा दिवस में बाबा लगभग 3 घंटे तक रहेंगे उसके पश्चात संध्या बेला की पूजन में सर्वप्रथम बाबा का अधिवास फलों से किया जाएगा उसके बाद पूजन का कार्यक्रम होगा और पूजन के समापन में बाबा का वास मेवा से होगा जो कि आज रात्रि भर रहेगा और अंत में बाबा की आरती होगी मंदिर के पुजारी नरेंद्र मिश्रा जी ने बताया कि कल सुबह का पूजन प्रातः बेला में 7:00 बजे से प्रारंभ होगा जिसमें सर्वप्रथम बाबा को मेवा दिवस से जगाया जाएगा और बाबा को औषधि में वास कराया जायेगा उसके पश्चात बेदी पूजन होगा बेदी पूजन के उपरांत बाबा को नहला धुला कर बाबा का रथ पे भव्य श्रृंगार होगा। मंदिर के प्रबंधक दिनेश खेतान जी ने बताया कि बाबा का रथ सजने के बाद बाबा की नयन दर्शन यात्रा निशान यात्रा के रूप में चंदापुर मंदिर से प्रातः 9:30 बजे प्रारंभ होकर घंटाघर कैंपरगंज खोया मंडी जहानाबाद चौकी होते हुए खाटू मंदिर तक जाएगी उसके बाद वहां पर पूजन का कार्यक्रम पुनः प्रारंभ होगा।समिति के अध्यक्ष अमित शुक्ला जी ने बताया कि बाबा की निशान यात्रा में लगभग 500 लोग बाबा का निशान लेकर चलेंगे जिसमें देव और साहिल सिंह कानपुर से आए हुए भजन गायको के साथ बाबा की यात्रा चलेगी इसमें डीजे ढोल बैंड इत्यादि भी होगा कार्यक्रमों में अभिषेक गोयल, मोहित अग्रवाल, पल्लव अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, सुरेश गुप्ता, रजत अग्रवाल, भावेश अग्रवाल आदि लोग उपस्थित रहे।

सूर्य कांत मिश्र की पुण्यतिथि पर प्रतिभायें सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। कर्मचारी नेता सूर्य कांत मिश्र की पुण्यतिथि महात्मा गांधी सभागार में में मनायी गयी। लोगों ने पं सूर्य कांत मिश्र के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी साथ ही विशिष्ट कार्यों के लिए एक दर्जन लोगों को सम्मानित किया गया।समारोह की मुख्य अतिथि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संघ की नीलम पांडे ने कहा कि पं सूर्य कांत मिश्र एक महान विभूतियों में थे,वे कर्मचारियों के लिए सदैव तत्पर रहते थे,हम उन्हें कोटि-कोटि श्रध्दांजली देते हैं। सभा के विशिष्ट अतिथि पूर्व एम एल सी राजा राकेश प्रताप सिंह ने कहा कि पं सूर्य कांत मिश्र को मैंने राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री राजनाथ सिंह से दो वर्ष की सेवा बढ़वाई थी अब उनके नाम पर रैन-बसेरा के डलमऊ में जमीन दी है।इस अवसर पर पूर्व प्रधानाचार्य शिव नारायण सोनी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के अध्यक्ष अनिल मिश्र, व्यापारी नेता इन्द्र कुमार वर्मा, हरमिंदर सिंह सलूजा,शिव बहादुर सिंह दिलवर,शिव नारायण मिश्रा, भगवान अवस्थी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष पंकज तिवारी, सूर्य कुमार बाजपेई, शिव बाबू शुक्ला,आदि ने संबोधित किया और श्रध्दांजली दी। समारोह में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पंकज तिवारी सहित एक दर्जन लोगों को सम्मानित किया गया। समारोह में तमाम कर्मचारी नेता व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डीएम के आदेश पर 11 नये गेहूँ क्रय केन्द्र खोले गए

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। रबी विपणन वर्ष 2025-26 में न्यूनतम समर्थन मूल्य योजनान्तर्गत जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के आदेशानुसार जनपद रायबरेली में क्रय एजेंसी द्वारा प्रेषित प्रस्तावों के अनुसार 103 गेहूँ क्रय केन्द्र खोले जाने हेतु अनुमोदित किए जा चुके हैं। इसी प्रकार जिलाधिकारी ने क्रय एजेंसी पी0सी0ए0फ0 के 09 एवं मण्डी परिषद के 02 के प्रेषित प्रस्तावों के अनुसार कुल 14 नये खोले जाने हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसके अनुसार तहसील सदर के ब्लॉक राही में 18, आमावं में 06, ब्लॉक हरचन्दपुर में 04 एवं ब्लॉक सतांव में 04 गेहूँ क्रय केन्द्र स्थापित किये गये है। इसी प्रकार तहसील महराजगंज के ब्लॉक महराजगंज में 11, ब्लाक शिवगढ़ 03, ब्लॉक बछरावां में 07, तहसील/ब्लॉक लालगंज में 05, ब्लॉक सरेनी में 02, ब्लॉक खीरों में 02, तहसील/ब्लॉक ऊँचाहार में 07, ब्लॉक रोहनिया 02, ब्लॉक जगतपुर में 05, तहसील/ब्लॉक डलमऊ में 06, ब्लॉक दीनशाहगौरा में 05, तहसील/ब्लाक सलोन में 13, ब्लॉक डीह में 06 एवं ब्लाक छतोह में 08 गेहूँ क्रय केन्द्र स्थापित किये गये है। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने समस्त सम्बन्धित अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देश दिये है कि गेहूँ क्रय केन्द्रों पर गेहूँ खरीद से संबंधित समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल प्रभाव से पूर्ण कराते हुए शासनादेशानुसार/नियमानुसार समस्त कार्यवाही ससमय पूर्ण कराते हुए कृषकों से अधिक से अधिक गेहूँ क्रय करना सुनिश्चित करेंगे।

पीड़ित बोले- 40 साल बाद भी नहीं भरा सिख दंगों का घाव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। सिख दंगे को बेशक करीब 40 साल बीत गए हों, लेकिन यह अवधि पीड़ितों के दर्द पर मरहम नहीं लगा सकी है। इसका जिक्र आते ही दंगा पीड़ित सिसक पड़ते हैं। सिख दंगे को बेशक करीब 40 साल बीत गए हों, लेकिन यह अवधि पीड़ितों के दर्द पर मरहम नहीं लगा सकी है। इसका जिक्र आते ही दंगा पीड़ित सिसक पड़ते हैं। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सुभाष प्लेस थाना क्षेत्र के राजनगर इलाके में हुई हिंसा की घटना में पूर्व कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को दोषी करार दिया है। मामले में शिकायतकर्ता ने अदालत को दिए बयान में मीडिया में प्रकाशित तस्वीर के जरिए आरोपी सज्जन कुमार को पहचानने की बात कही है।

बॉलीवुड/टैली मसाला

एंथनी मैकी ने की शाहरुख की तारीफ, किंग खान को अगले एवेंजर के रूप में देखने की जताई इच्छा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। शाहरुख खान की लोकप्रियता सिर्फ भारतीयों तक नहीं

है, बल्कि दुनियाभर में उन्हें चाहने वाले हैं। हाल ही में हॉलीवुड एक्टर एंथनी मैकी ने किंग खान की तारीफ की है। वे उन्हें अगले एवेंजर के रूप में देखना चाहते हैं।मार्वल स्टूडियोज की आगामी फिल्म 'कैप्टन अमेरिकाः ब्रेव न्यू वर्ल्ड' रिलीज को तैयार है। यह 14 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में एंथनी मैकी लीड रोल में हैं। फिल्म में एक रेड हल्क कैप्टन अमेरिका से टक्कर लेगा। अपनी इस फिल्म पर चर्चा के दौरान हाल ही में एंथनी ने शाहरुख खान की तारीफ की है। दरअसल, उनसे पूछा गया कि वे बॉलीवुड से एवेंजर्स में किसे शामिल करना चाहेंगे? इस पर हॉलीवुड अभिनेता ने शाहरुख खान का नाम लिया। हाल ही में एंथनी मैकी ने एवेंजर्स के रूप में शाहरुख खान को देखने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर केविन जिंगखाई के साथ एक इंटरव्यू में यह बात कही। दरअसल, मैकी से पूछा गया कि वे अगले एवेंजर के रूप में किस बॉलीवुड एक्टर को चुनना पसंद करेंगे? इस पर मैकी ने कहा, 'मुझे लगता है कि शाहरुख खान, वे सबसे अच्छे हैं!' मैकी ने कहा, 'शाहरुख खान डैम बेस्ट हैं'।

दूसरों के सामने बोलने की सीमाएं होनी चाहिए, रणवीर इलाहाबादिया की टिप्पणी पर भड़के बोनी कपूर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया की विवादित टिप्पणी पर बोनी कपूर ने अपनी प्रतिक्रिया साझा की है। फिल्म निर्माता ने कहा

कि सार्वजनिक तौर पर बोलते समय सीमाएं होनी चाहिए। फिल्म निर्माता बोनी कपूर ने कॉमेडियन समय रैना के यूट्यूब शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' पर रणवीर इलाहाबादिया की टिप्पणी को लेकर चल रहे विवाद के बारे में बात की और अपनी प्रतिक्रिया साझा की। बोनी कपूर ने स्व-सेंसरशिप और जिम्मेदार भाषण की आवश्यकता के बारे में भी बात की। बोनी कपूर ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, 'उन्होंने जो किया है वह सही नहीं है। सीमाएं और आत्म-सेंसरशिप होनी चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मतलब उन चीजों को बोलना नहीं है,जो सामाजिक रूप से स्वीकृत नहीं हैं। आप जो भी कहना चाहते हैं, अपने व्यक्तिगत स्थान पर करें। आपको सावधान और अनुशासित रहने की जरूरत है।' रणवीर इलाहाबादिया हाल ही में समय रैना के शो में आए। इस एपिसोड के दौरान उन्होंने एक प्रतिभागी से उनके माता-पिता के यौन संबंधों के बारे में एक विवादित सवाल पूछा। उनकी टिप्पणी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई और यूजर्स ने उनकी कड़ी आलोचना की। रणवीर और समय पर कई केस भी दर्ज हो चुके हैं। विवाद बढ़ता देख रणवीर ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर माफी भी मांगी है, लेकिन सभी यूजर्स, राजनेताओं और सितारों के बीच भी व्यापक आक्रोश देखने को मिला। 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के नए एपिसोड से जुड़े समय, रणवीर, अपूर्वा समेत अन्य 40 लोगों के खिलाफ कई पुलिस शिकायतें और एफआईआर दर्ज की गई हैं। समय रैना ने बुधवार को पहली बार इस मुद्दे पर चुप्पी तोड़ी। हालांकि, उन्होंने अब तक माफी नहीं मांगी है और कहा है कि उनका मकसद केवल लोगों का मनोरंजन करना था। एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए समय रैना ने लिखा, 'जो कुछ भी हो रहा है, उसे संभालना मेरे लिए बहुत मुश्किल है। मैंने अपने चैनल से इंडियाज गॉट लेटेंट के सभी वीडियो हटा दिए हैं। मेरा एकमात्र उद्देश्य लोगों को हंसाना और उन्हें अच्छा समय देना था। मैं सभी एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करूंगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनकी जांच निष्पक्ष रूप से पूरी हो। धन्यवाद।

समय रैना ने नहीं मांगी माफी; बोले जांच में सहयोग के लिए तैयार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। रणवीर इलाहाबादिया की विवादित टिप्पणी मामले में कॉमेडियन समय रैना ने पहली बार प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि वे मामले में जांच के लिए सुरक्षा एजेंसियों

का सहयोग करने के लिए तैयार हैं। रणवीर इलाहाबादिया की अश्लील टिप्पणी मामले में बुधवार को स्टैंडअप कॉमेडियन समय रैना ने अपने यूट्यूब चैनल से इंडियाज गॉट लैटेंट शो के सभी एपिसोड हटा दिए हैं। इंस्टाग्राम स्टोरी पर रैना ने लिखा, जो कुछ भी हो रहा है, उसे संभालना मेरे लिए बहुत मुश्किल है। मैंने अपने चैनल से इंडियाज गॉट लेटेंट के सभी वीडियो हटा दिए हैं। मेरा एकमात्र उद्देश्य लोगों को हंसाना था। मैं जांच में सभी एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करूंगा। उधर, महाराष्ट्र साइबर सेल ने अल्लाहबादिया और रैना समेत 40 से अधिक लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच में शामिल होने को कहा है कॉमेडियन समय रैना ने आखिरकार अपने शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' और इसके लेटेस्ट एपिसोड को लेकर मचे बवाल पर अपनी चुप्पी तोड़ दी है। हालांकि, उन्होंने माफी नहीं मांगी। समय ने ट्वीट किया, 'जो कुछ भी हो रहा है, वह मेरे लिए संभाल पाना बहुत मुश्किल है। मैंने अपने चैनल से 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के सभी वीडियो हटा दिए हैं। मेरा एकमात्र उद्देश्य लोगों को हंसाना और उन्हें अच्छा समय देना था। मैं सभी एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करूंगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनकी जांच निष्पक्ष रूप से पूरी हो। धन्यवाद।इस बीच, पुलिस ने बुधवार को सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अपूर्वा मखीजा समेत 4 आरोपियों के बयान दर्ज किए। खार थाने के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि रणवीर अल्लाहबादिया के मैनेजर, कंटेंट क्रिएटर आशीष चंचलानी समेत चार लोगों ने बयान दर्ज कराए हैं। यह मामला स्टैंडअप कॉमेडियन समय रैना के यूट्यूब रियलिटी शो इंडियाज गॉट लैटेंट से जुड़ा है। अल्लाहबादिया ने इसके एक एपिसोड में माता-पिता और सेक्स को लेकर बेहद भद्दी टिप्पणी की थी। उधर, महिला आयोग ने भी शो के प्रतिभागियों और निर्माताओं को नोटिस भेजा है। महाराष्ट्र भाजपा के पदाधिकारी नीलोत्पल मृणाल पांडे ने विवाद सामने आने के बाद सोमवार को

का सहयोग करने के लिए तैयार हैं। रणवीर इलाहाबादिया की अश्लील टिप्पणी मामले में बुधवार को स्टैंडअप कॉमेडियन समय रैना ने अपने यूट्यूब चैनल से इंडियाज गॉट लैटेंट शो के सभी एपिसोड हटा दिए हैं। इंस्टाग्राम स्टोरी पर रैना ने लिखा, जो कुछ भी हो रहा है, उसे संभालना मेरे लिए बहुत मुश्किल है। मैंने अपने चैनल से इंडियाज गॉट लेटेंट के सभी वीडियो हटा दिए हैं। मेरा एकमात्र उद्देश्य लोगों को हंसाना था। मैं जांच में सभी एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करूंगा। उधर, महाराष्ट्र साइबर सेल ने अल्लाहबादिया और रैना समेत 40 से अधिक लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच में शामिल होने को कहा है कॉमेडियन समय रैना ने आखिरकार अपने शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' और इसके लेटेस्ट एपिसोड को लेकर मचे बवाल पर अपनी चुप्पी तोड़ दी है। हालांकि, उन्होंने माफी नहीं मांगी। समय ने ट्वीट किया, 'जो कुछ भी हो रहा है, वह मेरे लिए संभाल पाना बहुत मुश्किल है। मैंने अपने चैनल से 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के सभी वीडियो हटा दिए हैं। मेरा एकमात्र उद्देश्य लोगों को हंसाना और उन्हें अच्छा समय देना था। मैं सभी एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करूंगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनकी जांच निष्पक्ष रूप से पूरी हो। धन्यवाद।इस बीच, पुलिस ने बुधवार को सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अपूर्वा मखीजा समेत 4 आरोपियों के बयान दर्ज किए। खार थाने के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि रणवीर अल्लाहबादिया के मैनेजर, कंटेंट क्रिएटर आशीष चंचलानी समेत चार लोगों ने बयान दर्ज कराए हैं। यह मामला स्टैंडअप कॉमेडियन समय रैना के यूट्यूब रियलिटी शो इंडियाज गॉट लैटेंट से जुड़ा है। अल्लाहबादिया ने इसके एक एपिसोड में माता-पिता और अल्लाहबादिया एवं अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। पांडे ने बुधवार को कहा कि यदि पुलिस शो के प्रतिभागियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं करती है, तो वह कोर्ट जाएंगे। पांडे ने कहा कि शो में दिव्यांगों के बारे में भी आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया था। इस संबंध में भी कार्रवाई हो। उधर, मामले की जांच के लिए असम पुलिस मुंबई पहुंची। इस मामले में सोमवार को गुवाहाटी में एफआईआर दर्ज की गई थी। मुंबई पुलिस ने बुधवार को सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अपूर्वा मखीजा के बयान दर्ज किए। अपूर्वा के अलावा रणवीर इलाहाबादिया और चार अन्य लोगों के भी बयान दर्ज किए हैं।

यामी गौतम और प्रतीक गांधी की धूम धाम की स्क्रीनिंग में पहुंचे ये सितारे, देखें खूबसूरत तस्वीरें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। यामी गौतम और

प्रतीक गांधी की फिल्म 'धूम धाम' की स्क्रीनिंग में अभिनेता रणवीर सिंह समेत बॉलीवुड के कई सितारे पहुंचे हैं। आइए आपको भी दिखाते हैं इन सितारों की झलक। यामी गौतम की फिल्म धूम-धाम वेलेंटाइन डे पर रिलीज होने वाली है। फिल्म की रिलीज से पहले स्क्रीनिंग में बॉलीवुड के कई मशहूर सितारे भी पहुंचे। इस फिल्म की स्क्रीनिंग में रणवीर सिंह भी पहुंचे। फिल्म में यामी गौतम और प्रतीक गांधी की जोड़ी साथ नजर आने वाली है। बिग बॉस 18 फेम सारा और उनके पति आरफीन खान भी इस फिल्म की स्क्रीनिंग में पहुंचें। दोनों ने एक रंग के कपड़ों से ट्यूनिंग किया था। फिल्म की स्क्रीनिंग में सोफी चौधरी और नायरा बनर्जी भी पहुंचीं। नायरा अपनी कलर फुल ड्रेस में बेहद खूबसूरत लगीं। स्क्रीनिंग के दौरान प्रतीक गांधी, यामी गौतम और रणवीर सिंह को एक ही फ्रेम में देखा गया। फिल्म 14 फरवरी को ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। फिल्म स्क्रीनिंग के दौरान यामी गौतम और उनके पति आदित्य धर ने साथ में पोज दिए। कपल फिल्म धूम धाम को लेकर बहुत उत्साहित नजर आ रहे थे। फिल्म की स्क्रीनिंग में एक विवाह ऐसा भी फेम ईशा कोप्पिकर भी पहुंचीं। ईशा येलो और ब्लैक आउटफिट में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। इस फिल्म की स्क्रीनिंग में सिकंदर का मुकद्दर के अविनाश तिवारी भी पहुंचे। अविनाश ब्लैक फंकी लुक में काफी हैंडसम लग रहे थे। अभिनेता रणवीर सिंह भी स्क्रीनिंग के दौरान अलग पोज देते नजर आए। खबरों की मानें तो रणवीर सिंह आदित्य धर के साथ एक फिल्म कर रहे हैं। हालांकि फिल्म का नाम फिलहाल सामने नहीं आया है। धूम धाम के स्टार प्रतीक गांधी और यामी गौतम एक साथ पोज देते नजर आए। यामी गौतम ने इस दौरान डार्क ग्रीन ड्रेस पहनीं, वहीं प्रतीक गांधी ब्राउन ब्लेजर में नजर आए। अपनी फिल्म की स्क्रीनिंग में प्रतीक गांधी अपनी पत्नी भामिनी ओझा संग पहुंचे। भामिनी ने स्क्रीनिंग के लिए रेड कलर का जंप सूट कैरी किया। वे इस ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही थीं।

रोमांटिक वेब सीरीज जिनमें दिखे प्यार के अलग-अलग रंग, एक में राम कपूर भी आए नजर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। वैलेंटाइन वीक पर आप अपने लाइफपार्टनर के साथ अगर कोई रोमांटिक फिल्म देखने नहीं जा पा रहे हैं तो घर ही पर रोमांस से भरी वेब सीरीज देख सकते हैं। हम आपको ऐसी ही

कुछ रोमांटिक वेब सीरीज के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप अपने पार्टनर के साथ एंज्वॉय कर सकते हैं। वेब सीरीज में सिर्फ क्राइम स्टोरी ही पॉपुलर नहीं है, कई रोमांटिक वेब सीरीज को भी खूब सराहा गया है। इन रोमांस से भरी वेब सीरीज को आप वैलेंटाइन वीक पर एक बार फिर देख सकते हैं। जानिए, ऐसी ही कुछ चर्चित रोमांटिक वेब सीरीज के बारे में। हाल ही में राजश्री प्रोडक्शन की पहली ओटीटी सीरीज 'बड़ा नाम करेंगे' का प्रीमियर हुआ है। इस सीरीज में प्यार की एक मासूम कहानी को कहा गया है। सीरीज की कहानी की शुरुआत ऋषभ (ऋतिक घनशानि) और सुरभि (आयशा कादुस्कर) के किरदारों से होती है, जो लॉकडाउन में एक जगह पर साथ फंस जाते हैं। इस मुश्किल से निकलने के बाद उन्हें लगता है कि दोबारा मुलाकात नहीं होगी लेकिन आगे इनका ही रिश्ता एक-दूसरे को आ जाता है। परिवार इनकी शादी तय कर देता है। आगे कहानी में कुछ ऐसे मोड़ आते हैं कि परिवार ही इनकी शादी ना करने का फैसला लेता है लेकिन तब तक दोनों को प्यार हो चुका होता है। कैसे ये दोनों अपने प्यार को पाएंगे, परिवार को मानेंगे, यही सीरीज की कहानी है। कहानी को राजश्री ने अपने ही जाने-पहचाने अंदाज में बनाया है। इस सीरीज को पूरे परिवार के साथ बैठकर भी देखा जा सकता है मिसमैच्ड' सीजन 3 में लीड कैरेक्टर डिंपल और ऋषि अपने रिश्ते को नई तरह से आगे बढ़ाते हैं, साथ ही अपने सपनों को भी पूरा करते हैं। यह सीरीज दो लोगों के बीच के प्यार के अलावा सेल्फ डिस्कवरी की भी बात करती है। इस सीरीज के पिछले दो सीजन को भी यंग ऑडियंस ने काफी पसंद किया था। यह वेब सीरीज मिकेश और तान्या की लव स्टोरी कहती है। दोनों को कैसे प्यार होता है? शादी के बाद इनके सामने कैसी चुनौतियां आती हैं। ये दोनों उन चुनौतियों को कैसे हल करते हैं? यही सब कुछ कभी सीरियस तो कभी फनी तरीके से दिखाया जाता है। राम कपूर और साक्षी तवंर ने टीवी पर एक सीरियल 'बड़े अच्छे लगते हैं' किया था। इस सीरियल की काफी फैन फॉलोइंग है। बाद में इन दोनों एक्टर्स ने वेब सीरीज 'कर ले तू भी मोहब्बत' में साथ काम किया।

'हाउ टू ट्रेन योर ड्रैगन' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। लाइव-एक्शन फिल्म 'हाउ टू ट्रेन योर ड्रैगन' का ट्रेलर जारी हो गया है। यूनिवर्सल पिक्चर्स ने फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया। लाइव-एक्शन फिल्म 'हाउ टू ट्रेन योर ड्रैगन' का ट्रेलर जारी हो गया है। यूनिवर्सल पिक्चर्स ने फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया। यह लाइव-एक्शन फीचर ड्रीमवर्क्स एनिमेशन की इसी नाम की हिट एनिमेटेड फिल्म का रीमेक है, जो 2010 में रिलीज हुई थी। लेखक-निर्देशक डीन डेब्लॉइस की नई हाउ टू ट्रेन योर ड्रैगन में मेसन थेम्स हिकप और निको पार्कर एस्ट्रिड की भूमिका में हैं। नए हाउ टू ट्रेन योर ड्रैगन ट्रेलर में हिकप ने टूथलेस के साथ अपने बंधन का खुलासा किया है। वह कहता है, 'मैं पहला वाइकिंग हूं, जो ड्रैगन को नहीं मारेगा। एस्ट्रिड ने प्रशंसा के साथ जवाब दिया, 'हालांकि, ड्रैगन की सवारी करने वाला पहला व्यक्ति।

जयदीप अहलावत ने किस एक्टर को कहा कमाल चर्चित वेब सीरीज में साथ आएंगे नजर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पिछले दिनों जयदीप अहलावत वेब सीरीज 'पाताल लोक'

की वजह से चर्चा में बने रहे हैं। जल्द ही वह एक और चर्चित वेब सीरीज में नजर आएंगे। इसमें उनके साथ बॉलीवुड के एक नामी एक्टर भी हैं, जो वेब सीरीज में मुख्य भूमिका में नजर आते हैं। इस एक्टर के साथ अभिनय करने का अनुभव जयदीप के लिए बहुत ही कमाल का रहा है? जानिए, कौन है वो एक्टर जयदीप अहलावत को बॉलीवुड से ज्यादा लाइमलाइट वेब सीरीज में अभिनय करके मिली है। वह वेब सीरीज 'पाताल लोक' के दो सीजन में नजर आ चुके हैं। इसमें वह हाथी राम चौधरी के किरदार में नजर आते हैं, जो एक पुलिस ऑफिसर है। इस किरदार के जरिए दर्शकों को अपराध की स्याह दुनिया दिखाई जाती है। 'पाताल लोक 2' में भी दर्शकों ने जयदीप को खूब सराहा। अब वह एक और वेब सीरीज में नजर आएंगे। इसमें जिस कलाकार के साथ वह काम कर रहे हैं, वह बॉलीवुड के उम्दा एक्टर्स में शामिल है। जल्द ही जयदीप मनोज वाजपेयी के साथ वेब सीरीज 'फैमिली मैन 3' में नजर आएंगे। इस वेब सीरीज में उनका रोल काफी अलग होने वाला है। इस सीरीज का हिस्सा बनकर वह काफी खुश हैं। मनोज वाजपेयी के साथ एक्टिंग करना उनके लिए बड़ी बात है। वह मनोज को एक कमाल का एक्टर बताते हैं। जयदीप अहलावत 'फैमिली मैन 3' की स्टोरी को भी बेहतरीन और सुंदर बताते हैं। वह इस वेब सीरीज को बनाने वाली पूरी टीम की तारीफ करते हैं। उन्हें उम्मीद है कि जब वेब सीरीज आएगी तो दर्शकों को जरूर पसंद आएगी।

घिसट-घिसट के दिन पूरे कर रहीं 'लवयापा' और 'बैडएस रवि कुमार', 'तंडेल' का तांडव बरकरार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों बॉलीवुड और साउथ की कई फिल्में लगी हैं। जानते हैं कमाई के मामले में किसका क्या हाल है?मनोरंजन के लिए सिनेमाघरों

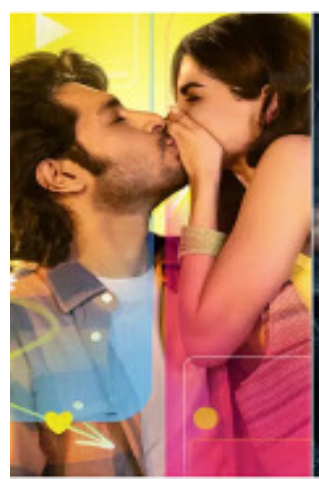

का रुख करने वाले दर्शकों के लिए इन दिनों विकल्पों की कमी नहीं है। बॉलीवुड और साउथ की कई फिल्में लगी हैं। वैलेंटाइन वीक में जुनैद खान और खुशी कपूर की लवयापा है तो हिमेश रेशमिया की फिल्म भी है। अक्षय की स्काई फोर्स भी अभी तक टिकी है। वहीं साउथ फिल्में भी हैं। आइए जानें कल किसने कितने कमा फिल्म 'लवयापा' में जुनैद खान और खुशी कपूर ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं। दोनों की बड़े परदे पर यह दूसरी फिल्म है। फिल्म को दर्शकों की खास प्रतिक्रिया नहीं मिल रही है। कमाई की रफ्तार बॉक्स ऑफिस पर सुस्त है। मंगलवार को इस फिल्म ने 55 लाख रुपये का कलेक्शन किया। वहीं आंकड़ों के मुताबिक कल बुधवार को फिल्म की कमाई 60 लाख के करीब रही। फिल्म की कुल कमाई अब छह करोड़ 25 लाख रुपये हो गई है। जुनैद और खुशी की फिल्म 'लवयापा' के साथ ही यह फिल्म भी सिनेमाघरों में उतरी। शुरुआती तीन दिन इसकी कमाई बढ़िया रही, उसके बाद कलेक्शन लाखों में सिमट गया है। अब यह बॉक्स ऑफिस पर घिसट-घिसट कर बढ़ रही है। मंगलवार को फिल्म ने 55 लाख रुपये का कलेक्शन किया। वहीं, कल बुधवार को फिल्म का कारोबार इतना ही रहा यानी 55 लाख रुपये। इसकी कुल कमाई अब सात करोड़ 85 लाख रुपये हो गई है। अजित कुमार की फिल्म 'विदामुयार्ची' भी थिएटर्स में लगी है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर संतोषजनकर प्रदर्शन कर रही है। छठे दिन यानी मंगलवार को फिल्म ने 3.35 करोड़ रुपये का कलेक्श किया था। वहीं, कल बुधवार को फिल्म ने 2.28 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म अगर इसी तरह टिकी रही तो जल्द ही यह 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा छू सकती है। फिलहाल इसका टोटल कलेक्शन 71.08 करोड़ रुपये हो गया है। नागा चैतन्य की फिल्म तंडेल को दर्शकों का प्यार मिल रहा है। इसमें सई पल्लवी भी अहम रोल में हैं। मंगलवार को फिल्म ने तीन करोड़ 50 लाख रुपये का कलेक्शन किया। वहीं कल बुधवार को छठे दिन भी कमाई तीन करोड़ रुपये रही है। फिल्म की कुल कमाई 47.45 करोड़ रुपये हो गई है। शाहिद कपूर की फिल्म 'देवा' की हालत खस्ता है और यह फिल्म बॉक्स ऑफिस से विदा लेने की कगार पर है। 13 दिनों में भी फिल्म का टोटल कलेक्शन अभी 50 करोड़ रुपये तक नहीं पहुंचा है। मंगलवार को फिल्म ने 45 लाख रुपये कमाए थे। कल बुधवार को 13वें दिन भी कमाई करीब इतनी ही रही। फिल्म का कुल कलेक्शन 33.10 करोड़ रुपये तक ही पहुंचा है। अक्षय कुमार वीर पहाड़िया और सारा अली खान अभिनीत यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अब तक टिकी है। इसे बीस दिन पूरे हो गए हैं फिर भी नई रिलीज फिल्मों से अच्छा कलेक्शन कर रही है। कल बुधवार को भी इस फिल्म ने 50 लाख रूपये का कारोबार किया।

भारत का राष्ट्रगान गाने के लिए उत्साहित गायिका मिलबेन, बोलीं- पीएम मोदी का ट्रंप के साथ खास रिश्ता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अफ्रीकी-अमेरिकी गायिका और अभिनेत्री मैरी मिलबेन पीएम मोदी की यूएस यात्रा पर उत्साह जताया है। उन्होंने कहा कि वे पीएम मोदी के संबोधन को

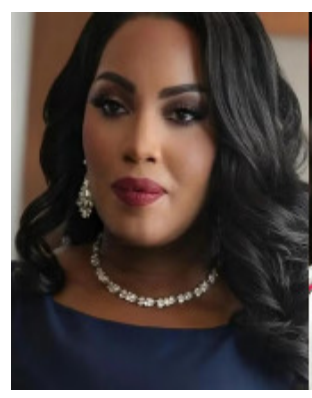

सुनने और भारत के राष्ट्रगान को गाने के लिए उत्साहित हैं। अफ्रीकी-अमेरिकी गायिका और अभिनेत्री मैरी मिलबेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूएस यात्रा पर उत्साह जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और यूएस राष्ट्रपति ट्रंप के बीच बेहद खास रिश्ता है। उन्होंने कहा कि वे दोनों राजनेताओं की मुलाकात और भारत का राष्ट्रगान गाने के लिए बेहद उत्साहित हैं।एएनआई से बातचीत में मिलबेन ने कहा कि गुरुवार को ट्रंप और पीएम मोदी की बातों को सुनने के लिए वे उत्साहित हैं। उन्होंने भारत को अमेरिका के लिए एक जरूरी पार्टनर बताया। ट्रंप के पिछले कार्यकाल के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि भारत और यूएस के बीच बहुत ही अच्छे रिश्ते रहे हैं। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी को अपने कार्यकाल के शुरुआती दिनों में यहां आमंत्रित किया, यह भारत और अमेरिका के खास रिश्ते की ओर इशारा करता है अफ्रीकी-अमेरिकी सिंगर ने कहा कि भारत हमारा सबसे खास लोकतांत्रिक साथी देश है। हम देखने के लिए उत्साहित हैं कि राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी साथ मिलकर क्या खास करने वाले हैं। पीएम मोदी और ट्रंप की साल 2023 की मुलाकात को फिर से याद करने का ये वाकई एक खास मौका है। मैं भारत का राष्ट्रगान गाने के लिए उत्साहित हैं। इस मौके पर कई सारे भारतीय साथी भी आने वाले हैं। मिलबेन ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी को ब्लेयर हाउस में ठहराया गया है। ये स्थान अमेरिकी राष्ट्रपति के मेहमानों की मेजबानी का सबसे सुंदर स्थान है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी फिर से आए हैं, ऐसे में साल 2023 में जो राष्ट्रगान गाया था, ये यादें फिर से ताजा होने वाली हैं। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के लिए पदभार संभालने के बाद यह पीएम मोदी की पहली अमेरिका यात्रा है। बता दें प्रधानमंत्री मोदी दो दिन की यूएस यात्रा पर आए हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।